वार्षिक पत्रिका

सर्जना

संयुक्तांक 2021–23

B++

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल (म.प्र.)

वर्ष-2023

संरक्षक
डॉ. संजय जैन
प्राचार्य

संपादक मंडल
डॉ. अंशुबाला मिश्रा
पुनीता जैन
डॉ. सुषमा जादौन

पत्र व्यवहार का पता :
बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
भेल,भोपाल-462022
दूरभाष : 0755-2620133
ई मेल: hegpgcbhelbho@mp.gov.in

MANGUBHAI PATEL
Governor, Madhya Pradesh
Bhopal - 462052

सत्यमेव जयते

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश
भोपाल–462052

क्रमांक 372/राजभवन/2023
भोपाल, दिनांक 16 जून 2023

संदेश

हर्ष का विषय है कि बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल द्वारा वार्षिक पत्रिका सर्जना 2022–23 का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका का प्रकाशन सराहनीय है।

महाविद्यालय पत्रिका छात्रों में निहित रचनात्मक प्रतिभा को सामने लाने का महत्त्वपूर्ण साधन है। पत्रिका विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाती है। उन्हें वैचारिक और भावनात्मक सृजन प्रक्रिया से जोड़ती है। अतः पत्रिका में विकसित सोच से परिपूर्ण पठनीय सामग्री का समावेश होना चाहिए। उसका स्वरूप विद्यार्थी हितकारी और उनकी प्रतिभाओं को प्रकाशित करने का उपक्रम होना चाहिए।

आशा है, वार्षिक पत्रिका 'सर्जना' छात्र–छात्राओं को भविष्य में समाज में विशिष्ट पहचान बनाने में सहयोगी होगी।

शुभकामनाएं

(मंगुभाई पटेल)

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश

क्रमांक 226/2023
दिनांक 27 जून 2023

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल द्वारा वार्षिक पत्रिका 'सर्जना' का प्रकाशन कर रहा है।

महाविद्यालयीन पत्रिकाएं विद्यार्थियों के लिए रचनात्मक प्रतिभा और अभिव्यक्ति का मंच होती है। पत्रिका महाविद्यालय की विविध उपलब्धियों, गतिविधियों एवं विद्यार्थियों की सर्जनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करती हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राज्य शासन द्वारा विद्यार्थियों के हित में अनेक कदम उठाए गए हैं। मध्यप्रदेश में शिक्षा के स्तर में गुणात्मक वृद्धि हुई है। महाविद्यालय को सुविधा संपन्न बनाने का प्रयास किया गया है।

मुझे आशा है 'सर्जना' पत्रिका में महाविद्यालयीन गतिविधियों के साथ–साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कार पर आधारित लेखों का समावेश किया जाएगा, जिससे विद्यार्थी समर्थ राष्ट्र का निर्माण करने में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे।

हार्दिक शुभकामनाएं।

(शिवराज सिंह चौहान)

डॉ. मोहन यादव
मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग
मध्यप्रदेश शासन
(प्रभारी जिला—राजगढ़
एवं डिण्डौरी)

मंत्रालय : कक्ष क्र. ई—216, VB-III
भोपाल— 462004
निवास : विंध्य कोठी, भोपाल
दूरभाष : 0755—2430757,
2430457 (निवास)
0755—2708682 (मंत्रालय)
ई—मेल : mohan.yadav@mpvidhansabha.nic.in
drmyadavujn@gmail.com
drmohanyadav65@gmail.com

पत्र क्र. 825
दिनांक 7 जून 2023

संदेश

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल के द्वारा वार्षिक पत्रिका 'सर्जना' 2022—23 का प्रकाशन किया जा रहा है।

महाविद्यालयीन पत्रिका विद्यार्थियों की बौद्धिक—रचनात्मक गतिविधियों तथा साहित्यिक अभिरूचि को प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम है। आशा है कि पत्रिका के माध्यम से छात्र—छात्राओं को सकारात्मक विचारों के साथ अपनी प्रतिभा को व्यक्त करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

वार्षिक पत्रिका 'सर्जना' के प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ।

(डॉ. मोहन यादव)

कृष्णा गौर
विधायक
गोविंदपुरा, भोपाल म.प्र. विधानसभा
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा
सदस्य
राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग
(राज्यमंत्री दर्जा)

कार्यालय :
निवास : बी–6, स्वामी दयानंद नगर
74 बंगला, भोपाल (म.प्र.) 462003
दूरभाष : (निवास) 0755–2441578

पत्र क्र. 12714
दिनांक 9 जून 2023

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल की वार्षिक पत्रिका 'सर्जना' 2022–23 का प्रकाशन किया जा रहा है।

प्रत्येक महाविद्यालय की अपनी एक पहचान होती है, यह पत्रिका उस पहचान से हमारा साक्षात्कार कराती है।

मेरी कामना है कि यह पत्रिका विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक अभिव्यक्ति की वाहक बने इसी कामना के साथ मेरी ओर से पत्रिका के प्रकाशन एवं विमोचन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ।

(कृष्णा गौर)

बारेलाल अहिरवार
अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति
बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय भेल, भोपाल

129, शिक्षक कांग्रेस कॉलोनी
बागमुगलिया, भोपाल
मो.नं. 9328941575

दिनांक 05.07.2023

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि महाविद्यालयीन पत्रिका 'सर्जना' 2022–23 का प्रकाशन किया जा रहा है। महाविद्यालय की विद्यार्थी–प्रतिभाओं का सृजन सामने आए, मेरा आशीष सदैव उनके साथ है। पत्रिका 'सर्जना' के प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ।

बारेलाल अहिरवार
अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति

कार्यालय, आयुक्त उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

सतपुड़ा भवन, भोपाल

कर्मवीर शर्मा
आई.ए.एस.
आयुक्त

अर्द्धशासकीय पत्र क्र. 893 / आउशि / 23
दूरभाष : 0755–2559980, 2551574
ई–मेल : che.mp.gov@gmail.com
भोपाल, दिनांक 21.7.2023

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय, भेल, भोपाल द्वारा 'सर्जना' पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका किसी भी महाविद्यालय की शैक्षणिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और शोध संबंधी गतिविधियों का दर्पण होती हैं।

नये विचारों, उपलब्धियों और विद्यार्थियों के रचनात्मक कौशल की झलक हमें पत्रिका द्वारा ही प्राप्त होती है। मेरी और से पत्रिका 'सर्जना' के सफल प्रकाशन एवं बहुआयामी उद्देश्य की पूति के लिए महाविद्यालय परिवार को आत्मीय शुभकामनाएं।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आपका महाविद्यालय नित नवीन ऊँचाइयों को स्पर्श करे, यही शुभेक्षा है।

(कर्मवीर शर्मा)
आयुक्त

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय

भोपाल – 462026 मध्यप्रदेश (भारत)

प्रो. एस.के. जैन
कुलपति

दिनांक 3.7.2023

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल वार्षिक पत्रिका 'सर्जना' 2022–23 का प्रकाशन कर रहा है। स्मारिका निश्चित ही महाविद्यालय की साहित्यिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक गतिविधियों का दर्पण होती है। महाविद्यालय के छात्र–छात्रा अपने व्यक्तित्व, शैक्षणिक, खेल गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभाओं का परिचय देते हुए महाविद्यालय का नाम देश एवं प्रदेश में रोशन करेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

मैं इस शुभ अवसर पर वार्षिक पत्रिका 'सर्जना' 2022–23 के सफल प्रकाशन हेतु महाविद्यालय परिवार को मेरी तथा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से बहुत–बहुत शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ।

(प्रो. एस.के. जैन)
कुलपति

B++

VISION

To ensure the accessibility of higher education to every segment of society, fostering the development of a self-sufficient, skilled, and employable workforce with unwavering social and moral values and to cultivate global competencies among all students, creating an inclusive environment that empowers students.

MISSION

To enhance accessibility to higher education through scholarship programs and outreach initiatives for all sections of society.

To provide robust financial aid options to alleviate economic barriers to higher education.

To harness technology to enrich learning experiences and prepare students for the digital age.

To cultivate leadership skills through experiential learning and mentorship opportunities.

To cultivate responsible and compassionate citizens by instilling strong social, moral, and ethical values among all students.

To empower students to embrace diversity and inclusivity, nurturing a global mindset for a harmonious and interconnected world.

- अनुक्रम
  - ❖ प्राचार्य की कलम से
  - ❖ संपादकीय
  - ❖ महाविद्यालय : एक नजर में
- सृर्जनात्मक अभिव्यक्ति
  - ❖ मेरी प्यारी माँ
  - ❖ मेरे पिता जी ❖ अम्माँ
  - ❖ हिन्दी मेरी अपनी
  - ❖ क्योंकि सफर अभी बाकी है
  - ❖ SHEPHERD DREAMING AWAKE
  - ❖ नदी
  - ❖ गणित
  - ❖ शिक्षा का महत्त्व
  - ❖ मेरे पिताजी का कॉलेज
  - ❖ उपलब्धियों की संस्था
  - ❖ बधाई एवं शुभकामनाएं
  - ❖ आज के बदलते दौर में खेलो होली के रंग फूलों के संग
  - ❖ माँ, बेटी
  - ❖ उद्योग एवं शिक्षा
  - ❖ नयी शिक्षा नीति में अर्थशास्त्र का महत्त्व
  - ❖ Process and Application of City Compost for Organic Farming
- वार्षिक प्रतिवेदन
  - ❖ आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)
  - ❖ कॉलेज चलो अभियान ❖ स्ववित्तीय पाठ्यक्रम
- विभागीय प्रतिवेदन
  - ❖ विभिन्न गतिविधियों, योजनाओं विषयक एवं अन्य प्रतिवेदन
- महाविद्यालय परिवार

प्राचार्य की कलम से

वार्षिक पत्रिका 'सर्जना' का यह संयुक्तांक महाविद्यालय परिवार की सृजनशीलता की एक छोटी सी प्रस्तुति मात्र है. बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल अनेक विविधताओं और उपलब्धियों वाला, म.प्र. की राजधानी भोपाल की भेल उद्योगनगरी में स्थित एक मात्र शासकीय महाविद्यालय है जो उच्च शिक्षा में गुणवत्ता उन्नयन के लिए सतत प्रयत्नशील है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रभावशीलता से महाविद्यालय में पाठ्यक्रमों और प्रश्नपत्रों में अध्ययन अध्यापन की नई परम्पराओं का प्रारंभ हो रहा है. अध्ययनरत विद्यार्थी न केवल शिक्षा प्राप्त कर रहे है. बल्कि सामाजिक दायित्वों से सरोकार रखते हुए एक उत्तरदायी नागरिक की भूमिका निभाने में सफल हो रहे है. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेवाएं देकर, उपलब्धियां अर्जित कर महाविद्यालय की बेहतर छवि सृजित कर रहे है. जिसमें विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों, पूर्व छात्रों, जनप्रतिनिधि, समाजसेवियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और विभिन्न हितग्राहियों का सक्रिय सहयोग इस संस्था की उपलब्धि है।

शैक्षणिक और शैक्षणेत्तर गतिविधियां एनसीसी, एनएसएस, क्रीड़ा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, युवा उत्सव, बौद्धिक और शोधात्मक व्याख्यान, कार्यशाला, सेमिनार, मूल्य सवंर्धित पाठ्यक्रम/एडऑन कोर्स आदि ने महाविद्यालय की सृजनशीलता के नए आयाम स्थापित किए है. सम्पादक मण्डल बधाई के पात्र है जिनके समर्पित प्रयासों से यह पत्रिका आप तक पहुँच रही है. मुद्रण संस्था ने 'सर्जना' प्रकाशन की गुणवत्ता बनाए रखने में अहम भूमिका निर्वाह की है।

यह सब हमारे प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, माननीय विधायक गोविंदपुरा, श्रीमान आयुक्त उच्च शिक्षा, माननीय कुलपति, माननीय अध्यक्ष जनभागीदारी की शुभकामनाओं का ही परिणाम है. महाविद्यालय परिवार सदैव इन सभी महानुभावों के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहेगा।

डॉ. संजय जैन
प्राचार्य

संपादकीय

'सर्जना' 2023 महाविद्यालय की विकास यात्रा का अगला पड़ाव है। अपने स्थापना वर्ष से वर्तमान तक महाविद्यालय ने सतत नये आयाम प्राप्त किये हैं। नये भवन में स्थानांतरित होने के पश्चात् अधोसंरचना ही नहीं, शैक्षणिक और शैक्षणेत्तर गतिविधियों के क्षेत्र में भी महाविद्यालय ने निरन्तर उन्नति की है। 'सर्जना' में प्रकाशित विभिन्न विभागों, गतिविधियों, प्रकोष्ठ आदि के प्रतिवेदन इसकी एक संक्षिप्त झलक प्रस्तुत करते हैं। वस्तुतः महाविद्यालय विविध प्रकृति के कार्यों में सतत संलग्न रहता है। सत्रारंभ में प्रवेश कार्य से प्रारम्भ यह यात्रा बहुआयामी क्षेत्रों को स्पर्श करते, कर्त्तव्य पथ पर अडिग रहते हुए महाविद्यालय के सतत उत्थान हेतु कृतसंकल्पित है। 'सर्जना' में इसे समग्रता से समेटना संभव नहीं है, अतएव ये प्रस्तुतियाँ कलेवर में संक्षिप्त छवि के साथ ही आपके सम्मुख है। महाविद्यालय के विद्यार्थियों की रचनात्मकता वर्ष भर अनेकविध गतिविधियों में उनकी सक्रिय सहभागिता द्वारा प्रकट होती है। 'सर्जना' के इस अंक में यह प्रतिभा काव्यात्मक रूप में अभिव्यंजित है, ये छात्रों के प्राथमिक प्रयास है तथापि उनकी प्रतिभा और मेधा इसमें प्रतिबिंबित है।

'सर्जना' के प्रकाशन पर प्राप्त अमूल्य शुभकामनाएँ एवं संदेश पत्रिका हेतु ऐसा अवदान है जो हमें सतत प्रेरणा देता है। प्राचार्य महोदय का सतत मार्गदर्शन तथा महाविद्यालय परिवार के सहयोग के प्रति हम हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं।

शुभकामनाओं सहित,

संपादक

महाविद्यालय : एक नजर में

- म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 28 अगस्त 1984 से भेल उद्योग नगरी में संचालित इस शासकीय महाविद्यालय को 1998 में स्नातकोत्तर महाविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया। तथा 28 सितम्बर 2021 को इस महाविद्यालय का नाम बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल किया गया। यह एक मात्र शासकीय महाविद्यालय है, जिसमें कला, विज्ञान और वाणिज्य तीनों संकाय में स्नातकोत्तर स्तर तक सह शिक्षा प्रदान की जाती है एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल में पीएच.डी.की उपाधि हेतु शोध केन्द्र भी है। सत्र 2022–23 में नियमित विद्यार्थियों की प्रवेश संख्या 2603 रही है।
- इस महाविद्यालय को सन् 2017 में नेक (NAAC) मूल्यांकन में B++ ग्रेड प्रदान किया गया। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपालन में सत्र 2021–22 से स्नातक स्तर की सभी कक्षाओं में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रभावशील है।
- म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग से अनुमति प्राप्त और बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध पांच रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम स्ववित्तीय आधार पर जनभागीदारी के तत्वावधान में संचालित हैं। पी.जी. डिप्लोमा इन टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट, बी.कॉम. ट्रेवल टूरिज्म, बी.कॉम कम्प्यूटर एप्लीकेशन, बी.एससी. बायोटेक्नोलॉजी बी. एससी, सी.एन.डी. इनमें अध्ययन कर देश एवं विदेश में छात्र–छात्राएं अपना कॅरियर बना रहे हैं।
- यह महाविद्यालय म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल का अध्ययन केन्द्र भी है जिसमें दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक / स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रमों का अध्ययन किया जा सकता है।
- इस महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन द्वारा छात्रहित में संचालित विभिन्न हितग्राही योजनाओं का लाभ भी नियमित विद्यार्थी पात्रता होने पर प्राप्त कर सकता है– जैसे मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना, असंगठित कर्मकार योजना, गांव की बेटी, मुख्यमंत्री कल्याण योजना, प्रतिभा किरण आदि। अनुसूचित जाति, जनजाति के छात्र–छात्राओं को निःशुल्क स्टेशनरी एवं पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। म.प्र.शासन, उच्च शिक्षा विभाग की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएं भी इस महाविद्यालय में प्रभावशील है– जैसे पोस्ट मेट्रिक, आवास सहायता योजना, सेन्ट्रल सेक्टर (अल्पसंख्यक / विकलांग) केवल एस.सी.एसटी।
- महाविद्यालय में विभिन्न विषयों की 29,269 पुस्तकों से समृद्ध पुस्तकालय है, जिसमें संदर्भ ग्रंथ भी है। यह पुस्तकालय पूर्ण ऑटोमेटिक है, साथ ही ई–लाइब्रेरी की सुविधा भी उपलब्ध है जिससे पासवर्ड के माध्यम से विद्यार्थी ऑनलाइन किसी भी समय स्नातक स्तर की पुस्तकों का अध्ययन घर बैठकर कर सकता है।
- शैक्षणेत्तर गतिविधियों के अंतर्गत महाविद्यालय में एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं क्रीड़ा की सुविधा उपलब्ध है।
- महाविद्यालय में प्रतिवर्ष म.प्र.शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा घोषित अकादमिक कलेण्डर का पूर्ण प्रतिबद्धता से पालन किया जाता है जिसमें प्रवेश परीक्षा, आंतरिक मूल्यांकन, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सम्बंधी गतिविधियां शामिल होती हैं।
- महाविद्यालय में नियमित विद्यार्थियों को ऑनलाइन शुल्क जमा करने हेतु **sbicollect** के माध्यम से सुविधा उपलब्ध है। जिससे विद्यार्थी किसी भी समय इस लिंक **https://www.onlinesbi.com/sbicollect/icollecthome.htm?corpID=2957356.** का उपयोग कर सकता है
- महाविद्यालय में विद्यार्थियों को एक निर्धारित गणवेश में आने तथा अपना परिचय पत्र सदैव साथ रखने का प्रावधान है।

मेरी प्यारी माँ

तनु चौहान
बी.कॉम., प्रथम वर्ष, कम्प्यूटर

ना तुलना कभी की है ना करने का इरादा है,
हाँ वो माँ का प्यार ही है,
जो दुनिया के किसी भी प्यार से नौ महीने ज्यादा है।

हजारों गम हों फिर भी
मैं खुशी से फूल जाती हूँ,
जब हंसती है मेरी माँ
मैं हर गम भूल जाती हूँ।

चलती फिरती आँखों से अजान देखी है,
मैंने जन्नत तो नहीं देखी लेकिन मेरी माँ देखी है।

माँगने पर जहाँ पूरी हर मन्नत होती है,
माँ के पैरों में ही तो वह जन्नत होती है।

लबों पे उसके कभी बद्दुआ नहीं होती,
बस मेरी माँ ही है जो मुझसे कभी खफा नहीं होती।

मुझे फर्क नहीं पड़ता, यह दुनिया मुझे क्या कहती है,
मैं बहुत अच्छी हूँ, मुझे यह मेरी माँ कहती है।

पूरी दुनिया के लिए तुम मेरी माँ हो,
लेकिन मेरे लिए तुम पूरी दुनिया हो।

घुटनों से रेंगते रेंगते जब पैरों पर खड़ी हो गई,
माँ तेरी ममता की छाँव में, जाने कब इतनी बड़ी हो गई।

सीधी–सीधी भोली–भाली मैं ही सबसे सच्ची हूँ,
कितनी भी हो जाऊं बड़ी, माँ मैं आज भी तेरी बच्ची हूँ।

जब जब कागज पर लिखा मैंने, मेरी माँ का नाम,
कलम अदब से बोल उठी, हो गए तेरे चारों धाम।

ना अपनों से खुलता है, ना ही गैरों से खुलता है,
यह जन्नत का दरवाजा है जनाब, माँ के पैरो से खुलता है।

इस जीवन में सबसे बड़ा माँ का ही प्यार है,
वही मंदिर, वही पूजा और वही सारा संसार है।

हे खुदा, सलामत रखना इस जहाँ को,
मेरी उम्र भी दे देना मेरी माँ को।

एक हस्ती है जो जान है मेरी
जो जान से भी बढ़कर शान है मेरी,
रब हुक्म दे तो कर दूँ सज़दा उसे
क्योंकि वो कोई और नहीं माँ है मेरी।

मेरे पिता जी

अभिषेक अचलसिंह
बी.कॉम. प्रथम वर्ष, कम्प्यूटर

लहजे में नरमाई, होठों पर मुस्कान लिए
भोपाल आए, कई अरमान लिए
बहुत ही खूबसूरत ये सारा सफर रहा,
किराए की जिंदगी में, किराए का घर रहा,
इतनी मुश्किलें थी, शायद हमसे छिपकर रोते थे,
हम उनके पेट पर और वो चटाई पर सोते थे,
हमे पढ़ाने के लिए गाँव से दूरी करनी पड़ी,
पढ़ें लिखे नहीं थे, इसलिए मजदूरी करनी पड़ी,
खुद का कोई सपना नहीं, उनका कोई अपना नहीं,
वो अपने आज में हमारा कल ढूंढा करते थे,
पैसे बचाने को पाऊच की जगह पानी का नल ढूंढा करते थे,
एक दिन बड़े लोगों में हमारे नाम आएंगे,
ये दो रूपये भी मेरे बच्चों के काम आएंगे,
अच्छी परवरिश दी, बुरी आदतों से बचाया,
हमे पिता ने जीने का तरीका सिखाया,
उन तरीकों के सहारे ही हम बड़े हुए
हालातों से लड़कर अपने पैरों पर खड़े हुए,
एक पिता की भी उम्मीद टूटती है
जब उसके बच्चे खबर नहीं लेते,
तबीयत ठीक है कि नहीं आपकी इतनी भी खबर नहीं लेते,
खैर जिसने तुम्हें पाल पोस कर बड़ा किया,
वो खुद को भी पालना जानता है,
बहुत तजुर्बेदार खिलाड़ी है,
हर मुश्किलों को टालना जानता है,
उसे तुम्हारे टुकड़ों पर पलने की जरूरत नहीं,
वो तो तुम्हारे निभाने का फर्ज देखता है,
उसने पाला तुम्हें सौ कमा कर,
और तू लाख के बाद भी कर्ज़ देखता है,
बेटा आखिर कहते किसे हैं, ज़माने को यह बताने को,
खैर अभी मैं हूं ज़िंदा, अपने कुछ फर्ज निभाने को।

अम्माँ

डॉ. सुषमा जादौन
प्राध्यापक, हिन्दी

भीगी हुई पलकों की कोर हैं अम्माँ,
ढलती हुई रात की भोर हैं अम्माँ
देहरी नहीं छूटती, बेटियों की मन से
कहते हैं मायके की डोर है अम्माँ
पास थीं तो मन के कोने में थीं
कहीं नहीं हैं तो लगता हर ओर हैं अम्माँ
चोट पर दवा–सी, आस–सी, दुआ–सी,
मंदिर की घंटी–सा शोर हैं अम्माँ
कभी तुलसी ढारती, नज़र वो उतारती
बिसरे आशीषों का ठौर हैं अम्माँ
फूँका लगाया जब आँख में गिरा तिनका
यादों में धोती का छोर हैं अम्माँ
माँ होना जाना, माँ बनने के बाद ही,
थोड़ी सी हूँ खुद मैं और हैं अम्माँ
पास थी कहीं मन के कोने में थी कहीं
कहीं है तो लगता है हर ओर हैं अम्माँ

हिंदी मेरी अपनी

खुशी द्विवेदी
बी.ए., प्रथम वर्ष

हिन्द देश की राजकुमारी
भाषाओं में सबसे प्यारी
मात्राओं का ओढ़ दुशाला
डाल गई वर्णों की माला।

ये था हिंदी का श्रृंगार
जिसको मिलता सबसे प्यार
लेकिन कुछ विदेशी आए
साथ में सुंदर भाषा लाए

नाम था उसका अंग्रेजी
सबसे कहती हैलो जी
उसने जीता सबका मन
बन के हिंदी की दुश्मन।

अंग्रेजी का होता रहा विकास
हिंदी बैठी रही उदास
देश में छाई निराशा है
क्या, यही राष्ट्र की भाषा है!
क्या यही राष्ट्र की भाषा है!

क्योंकि सफर अभी बाकी है

श्रीया विश्वकर्मा
बी.ए., प्रथम वर्ष

चलना अभी शुरू ही किया था
राह में अनेक कांटे आ गए
सूरज की किरण को निकले समय नहीं हुआ
और तूफान के बादल आ गए।

अभी तो एक किरण ही निकली थी,
सूरज का निकलना बाकी है
थकी हूँ सिर्फ रुकी नहीं
क्योंकि सफर अभी बाकी है।

अभी तो सफलता मिली कहाँ थी कि,
मित्र भी शत्रु बन गए
अपनी राह बनाना शुरू ही की थी
भीड़ के सारे रास्ते अलग हो गए।

यह तो आरंभ है
सफलता मिलनी बाकी है
कठिन केवल समय है, जिंदगी नहीं
बस रुकना नहीं है मुझे
क्योंकि सफर अभी बाकी है।

SHEPHERD DREAMING AWAKE

Tanu Thakur
B.Com 3rd Year

Another thoughtful and sleepless night,
checking and rechecking sheep's headcount right,
while tiny, far off stars shine bright.
A lingering feel of your perfume in moonlight,
adds wings to my lively ideas' flight,
I pray you were here to witness this sight!

नदी

लक्ष्य इवने
बी.एससी., द्वितीय वर्ष, कम्प्यूटर

रोको मत, टोको मत
उसे बहने दो,
करने दो उसे लहरों का नृत्य
उतरने दो उस धरा पर पहाड़ों से,
गूंजने दो उसके झरनों की झनकार
करने दो उसे जंगलों का श्रृंगार
खिलने दो फूल उसके किनारों पर
मचाने दो शोर उसे भी
उसके अंदर भी है जीवन का संचार,
मत बांधों बंधनों में उसे, उसके यौवन में,
क्यों निकाल लेते हो उसके प्राण?
कभी देखा है, बाँध के आगे उसे
कैसे दिखती है बेचारी निर्बल और लाचार,
जो जीवन था उसमें वो सूख गया है
बस बचे है रेत के मैदान,
तुम्हारे बाँधों में तो वो भरी हुई दिखती है,
हमेशा खुश और विशाल
पर बहना रोक दिया है उसने ताकि खुश
रहे तुम्हारा परिवार
थी ख्वाहिश उसकी भी समन्दर से मिले होकर बेबाक,
बताये उसे अपने सफर के राग।
क्यूं बनाते हो ये बाँध उस पर
बहने दो उसे नहीं छोड़ेगी वो तुम्हारा साथ,
देखना करते चलेगी वो हर दर को आबाद
रोको मत, टोको मत
बहने भी दो उसे निर्बाध।

गणित

अनुपम त्रिपाठी
बी.एससी., द्वितीय वर्ष

मिले अंकों से बना अपार गणित।
विज्ञान का है आधार गणित।
जीवन में है हर बार गणित।
हम सबका मूलाधार गणित......(2) ।।

प्रारंभ करे जो शून्य से, जिसका ना कोई अंत है।
जीवन के हर पल पर गणित उपयोग अनंत है।
हम सब के जीवन में, यह एक सीख है।
अभ्यास करो, अभ्यास करो, अभ्यास से ही जीत है।

गणित विषय नहीं है चिंता का, चिंतन ही इसका मीत है,
हर मुश्किल का हल है, हर हल ही एक रीत है।
अभ्यास इसमें जीत है, गणित से जिसकी प्रीत है,
हर मुश्किल में उसकी जीत है.......(2) ।।

है रीत गणित, है प्रीत गणित, है हार और जीत गणित,
है जोड़ गणित, घटाव गणित, हम सब का एक लगाव गणित
है सत्य गणित, है झूठ गणित, है एक नया स्वरूप गणित,
है काल गणित, विचार गणित, है बिन्दु और प्रसार गणित

है अंक गणित, है बीज गणित, है भिन्न भिन्न प्रकार का गणित,
अमूर्त गणित, निराकार गणित, है भाषा का प्रसार गणित।
सब विषयों का आधार गणित, मिल अंकों से बना अपार गणित
जीवन का मूलाधार गणित, जीवन का मूलाधार गणित.....।।

शिक्षा का महत्त्व

सृष्टि मिश्रा
बी.ए. प्रथम वर्ष

बहुत जरूरी होती शिक्षा, सारे अवगुण धोती शिक्षा।
चाहे जितना पढ़ लें हम पर, कभी न पूरी होती शिक्षा।।
शिक्षा पा कर ही बनते हैं, नेता, अफसर, शिक्षक।
वैज्ञानिक, यंत्री, व्यापारी, या साधारण रक्षक।।
कर्त्तव्यों का बोध कराती, अधिकारो का ज्ञान।
शिक्षा से ही मिल सकता है, सर्वोपरि सम्मान।।
बुद्धिहीन को बुद्धि देती, अज्ञानी को ज्ञान।
शिक्षा से ही बन सकता है मेरा भारत देश महान।।

मेरे पिताजी का कॉलेज

मयंक कुशवाह
बी.कॉम. प्रथम वर्ष

मैं बहुत सौभाग्य शाली हूं, कि जिस कॉलेज में मेरे पिताजी श्री भागचन्द कुशवाहा शिक्षक ने 1997 तक शिक्षा प्राप्त की है उसी कॉलेज में पढ़ने का मुझे अवसर मिल रहा है। इसलिए मैं इसे मेरे पिताजी का कॉलेज कहता हूं। पहले यह कालेज शासकीय महाविद्यालय भेल के नाम से जाना जाता था। अब यह बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के नाम से जाना जाता है। हमारे कालेज में पढाई लिखाई बहुत अच्छी होती है। कालेज का मेनेजमेंट सिस्टम भी बहुत अच्छा है हमारे कॉलेज में टीचर्स स्टूडेन्टस को बहुत अच्छी तरह से पढ़ाते है, और उनके पढ़ाने का तरीका रुचिकर लगता है। पिताजी से बचपन से कॉलेज के बारे में सुनता आया हूं। मेरे मन में इस कॉलेज के प्रति जो धारणा थी उससे भी अच्छा पाया क्योंकि अब कॉलेज में बहुत सी सुविधाएं उपलब्ध हो गई। और यह पत्रिका का प्रकाशन मुझे अपनी अभिव्यक्ति का अवसर दे रहा है। मैं निश्चित ही अपने पिताजी और शिक्षकों की अपेक्षाओं के अनुरूप अपने दायित्व का निर्वाह कर योग्य नागरिक बनूंगा।

उपलब्धियों की संस्था

हिमांशु ठाकुर
बी.एससी. द्वितीय बायोटेक

इस कॉलेज में मेर पिताजी श्री तेजसिंह ठाकुर प्रेस फोटोग्राफर ने 1999 तक शिक्षा प्राप्त की है। और वह अपने विद्यार्थी जीवन से आज तक इस कॉलेज से सक्रिय रूप से जुड़े हैं। जन भागीदारी समिति के सदस्य के रूप में आज भी वे इस कॉलेज में अपना दायित्व निर्वाहन कर रहे हैं। इस कॉलेज में प्रवेश लेकर मुझे बहुत अपनत्व सा लगा। यहां का वातावरण यहां की शिक्षा दीक्षा और विभिन्न गतिविधियों का आयोजन मुझे प्रभावित करता है। महाविद्यालय में पढ़ाई के साथ–साथ सांस्कृतिक एन.एस. एस., एन.सी.सी., क्रीड़ा की गतिविधियों में सहभागिता कर मुझे बहुत प्रसन्नता होती है। मेरे पिताजी हमेशा अपने जीवन में उपलब्धियों का श्रेय इस महाविद्यालय को देते हैं, और मैं भी इसे उपलब्धियों की संस्था मानता हूं। यहां की लाईब्रेरी, यहां के शिक्षक, और यहां का वातावरण निश्चित ही मुझे एक जिम्मेदार नागरिक बनने में सहयोगी होगा। इस संस्था से मेरे भविष्य निर्माण के नये अवसर प्राप्त होंगे।

बधाई एवं शुभकामनाएं

इस महाविद्यालय के पूर्व छात्र श्री शिवम मिश्रा को 12 जनवरी 2023 को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा सामुदायिक कार्यों के लिए केन्द्रिय खेल एवं युवा कार्यक्रम तथा सूचना प्रसारण मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार रू. 1 लाख नगद एवं रजत पदक से सम्मानित किया गया। शिवम मिश्रा ने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान जरूरत मंदों को मदद पहुंचाने में सराहनीय कार्य किया। स्वयं के खर्चे पर घर पर ही ऑटोमेटिक सेनेटाईजर मशीन तैयार कर अपने ग्राम के शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र, शासकीय विद्यालय तथा पुलिस थाने में तैनात सुरक्षाबलों को प्रदान की । उन्होंने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा चलाये जा रहे कोरोना वालेंटियर अभियान से जुड़कर वैक्सीनेशन एवं मॉस्क जागरूता के लिए सराहनीय कार्य किया। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार बधाई एवं शुभकामनाएं देता है।

मनीष सोनकर, एम.ए. राजनीतिविज्ञान द्वारा 16 से 24 मई 2022 तक झारखण्ड में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के राष्ट्रीय शिविर में एवं 19 से 24 सितम्बर 2022 नालंदा बिहार में राष्ट्रीय युवा परियोजना (एनवायपी) द्वारा आयोजित राष्टथीय एकता शिविर में सहभागिता की एवं दिनांक 19 से 25 मार्च 2023 तक आयोजित महाविद्यालय के विशेष शिविर स्वास्थ्य : जन स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य के सफल संचालन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। उनकी इस उपलब्धि एवं शिविर की सफलता पर महाविद्यालय परिवार बधाई एवं शुभकामनाएं देता है।

आज के बदलते दौर में खेलो होली के रंग फूलों के संग

भूपेन्द्र मिश्रा
प्रयोगशाला परिचारक, भौतिक विभाग

मधुर– मधुर फूलों से खेलो, होली सबके संग।
करो न कोई किसी को तंग ।।
लाल, गुलाबी, नीले, पीले हैं फूलों के रंग।
देखो बहती सिर पे गंग, नाचत भोला पी के भंग।।
गौरा मैया जिनके संग, बाजे डमरू डम डम संग।
नंदी भृंगी संग में नाचे, बाजे ढोल मृदंग।।
भूत प्रेत की सेना संग में, खेलत होली रंग।
देख देख के सब नर नारी, रह जाते हैं दंग।।
देखो होली का हुड़दंग, होली खेल रहे सब संग।
मधुर मिठाई, लड्डू पेड़ा खाते पीते संग में भंग।।
ढोलक झांझ मंजीरा बाजे और बाजे मृदंग।
श्रीराम, कृष्ण, शिवशंकर खेले जब होली के रंग।।
मधुर मधुर है प्यारे–प्यारे देखो होली रंग।
मधुर पवित्र सादगी के संग खेलो होली रंग।।
लाल गुलाबी बोगन बिलिया फूल गई हैं संग।
तन मन दिल सबके खिल जाते, देख फूल बहुरंग।।
टेसू फूले पलास फूल गये, सेमर फूले संग।
आज प्रकृति भी खेल रही हो जैसे होली रंग।।
जिसमें हो सम्मान सभी का, कोई न होवे तंग।
पानी है अनमोल प्यारे इसे बचाओ संग।।
आज यहाँ रस रंग के संग में, नाचो मिलकर संग।
आज सखी फूलों से होली खेलो मिलजुल कर संग।।
भीजें सबके तन मन संग, बरसे आज उमंग रस रंग।
जिनके माथे चन्द्र बिराजे, करत प्रकाश है संग।।
सदा मधुर सत्संग के रंग में, खेलो होती रंग।
माँ, बेटी, भाई, बहिन के पति पत्नी के संग।।
तजो बुराई, अपने दिल से तज दो सभी कुरंग।
आज सखी फूलों से खेलो, होली ओम प्रकाश के संग।।

माँ

मनोहर लाल सोनी 'राही'
सुरक्षाकर्मी

अम्बर से भी ऊंची माँ
सागर से भी गहरी माँ

सारे जग से न्यारी माँ
प्यारी–प्यारी मेरी माँ

शक्तिरूपा सत्यस्वरूपा
जीवन सृजनहार माँ
अनुपम तेरी ममता है माँ
अनुपम तेरा प्यार माँ

तन्हा तुमको कभी न छोड़े
हर पल साथ निभाती माँ
कष्ट जरा सा हो जाने पर
अश्कों में ढल जाती माँ

फैला देती प्रीत का आंचल
गोदी बना बिछौना माँ
परियों वाली सुना कहानी
लोरी गा सुलाती माँ

लालन–पालन की चिन्ता में
सदा रहें बैचेन माँ
तन मन 'राही' आत्मा
संसार है तेरी देन माँ

बेटी

सृष्टि का उपहार घर पर
प्रभु का उपकार हम पर
हैं हमारी बेटियाँ

दोनों कुल का जीवन दर्पण
प्रीत मानवता का गुलशन
हैं हमारी बेटियाँ

संयम सरिता तुलसी आंगन
सीप मोती नयन ज्योति
हैं हमारी बेटियाँ

पढ़ रही–बढ़ रही, नाम रोशन कर रही
'राही' जीवन दर्शन धन धरोहर
हैं हमारी बेटियाँ

उद्योग एवं शिक्षा

डॉ. आर.के. शर्मा
प्राध्यापक वाणिज्य*

उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती वैश्विक अर्थव्यवस्था की नई मांगों के अनुसार सीखने का प्रभावी वितरण है। भारत में 54 केन्द्रीय विश्वविद्यालय, 416 राज्य विश्वविद्यालय, 125 डीम्ड विश्वविद्यालय, 361 निजी विश्वविद्यालय एवं 159 राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों के साथ लगभग 1000 से अधिक विश्वविद्यालय है। उद्योग–शिक्षा क्षेत्र के मध्य गठजोड़ के कुछ मामलों को छोड़कर उद्योग–शिक्षा क्षेत्र के सहयोग की वास्तविक क्षमता को पूरी तरह से महसूस नहीं किया है। जबकि उच्च शिक्षा शैक्षणिक संस्थान युवाओं में कौशल विकास करने तथा उद्योग–शिक्षा क्षेत्र को जोड़ने के लिए चक्र की धुरी है। इसलिए न तो उद्योग जगत और न ही उच्च शैक्षणिक संस्थान, केवल परिधि में नहीं रह सकते हैं।

युवाओं की रोजगार क्षमता उनके परीक्षा परिणामों की तुलना में कॅरियर परामर्श और दक्षता संवारने के लिए एच.ई.आई.एस. की सुविधाओं का महज एक कार्य है, जो भर्ती में प्रारंभिक आवश्यकता हो सकती है। परंतु एच.ई.आई.एस. की विद्यार्थियों को ऐसी सुविधाएं प्रदान करने की क्षमता जो उनकी रोजगार क्षमता में सुधार कर सकती है काफी हद तक उद्योग क्षेत्र की भागीदारी पर निर्भर है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में कार्य–कौशल के लिए युवाओं को तैयार करने के लिए उच्च शिक्षा क्षेत्र में शामिल होने और समर्थन करने में उद्योग की भूमिका को नीति और अभ्यास स्तरों पर तेजी से स्वीकार करने की आवश्यकता है।

इस परिपेक्ष्य में राष्ट्रीय शैक्षणिक योजना और प्रशासन संस्थान NIEPA नई दिल्ली एवं अखिल भारतीय प्रबंधन संघ, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'सस्टेनिंग उद्योग–शिक्षा क्षेत्र लिंकेज' विषय पर दिनांक 09 एवं 10 फरवरी 2022 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में उच्च शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. संजय जैन प्राचार्य, बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल, भोपाल एवं मैं स्वयं डॉ. आर.के. शर्मा प्राध्यापक एवं सदस्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति समन्वय प्रकोष्ठ, उच्च शिक्षा संचालनालय, भोपाल ने सहभागिता की।

विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रो. संतोष मेहरोत्रा, विजिटिंग प्रोफेसर प्रो. अमित मुखर्जी, डी.टी.यू. नई दिल्ली, प्रो. ए. के. सिंह, प्राध्यापक बी.एच.यू. वाराणसी, प्रो. कन्हैया आहूजा, डी.ए.वी.वी. इन्दौर एवं डॉ. अजय अरोरा, हीरो एन्टरप्राइजेस, श्री सुखजीत एस. पंसरीद्दा, इंडिगो तथा डॉ. संदीप चटर्जी, कुलसचिव, NIEPA तथा श्री डी.वी. शास्त्री, नेचुरल गैस सोसाइटी, श्रीमती दीपाली दीक्षित, सेवी तथा जतिंदर सिंह, पी.एच.डी. सी.सी.आई. द्वारा प्रतिभागियों को उद्बोधन से लाभान्वित किया। शिक्षाविदो और उद्यमियों के बीच अंतराल इस प्रकार परिलक्षित हुआ–

1. प्रशासनिक संरचनाएँ और विकास के लिए प्रक्रियाएँ उद्योग – शिक्षा संबंध।
2. उद्योग अकादमिक संबंधों के बनाए रखने के लिए परिचालन और तकनीकी कानूनी प्रक्रियाएँ – उद्योग–शिक्षा संबंध।
3. सतत उद्योग के लिए वित्तीय मॉडल और प्रतिक्रियाएँ उद्योग – शिक्षा संबंध।

विद्वान वक्ताओं के व्यक्तव्य और थीम पर आधारित तीन समूहों की चर्चा से निकले मुख्य बिन्दु क्रमानुसार निम्नवत है :–

इसलिए स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम स्तर पर विद्यार्थियों के सतत कौशल विकास के लिए उद्योग – अकादमिक लिंकेज और विभिन्न रूपों में नियोक्ता–छात्र संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता है। भारत आज 25–50 आयु वर्ग के लोगों के बढ़ते अनुपात के साथ दुनिया का सबसे युवा देश है, जिन्हें लगातार वैश्विक नियोक्ता समुदाय द्वारा लक्षित किया जा रहा है। 2020 में भारत में कुल आबादी में लगभग 34% युवाओं की हिस्सेदारी है।

उद्योगों द्वारा पेश की जाने वाले रोजगार के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और विकास कौशल बेहद अलग हैं। विद्यार्थियों को समुचित प्रशिक्षण न मिलने से कॅरियर के लक्ष्य और उद्देश्य नहीं मिलते हैं और वे रोजगार योग्य नहीं बन पाते हैं वहीं दूसरी और औद्योगिक इकाइयों को कुशल कार्यबल की कमी का सामना करना पड़ता है। इस खाई को पाटना एक चुनौती है।

यह सर्वविदित है कि शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले और उद्योग क्षेत्र में काम करने वालों में अलग–अलग संस्कृतियां और वातावरण है, यह डिस्कनेक्ट विभिन्न समस्याओं की जड़ है। इस गैप को भरने के लिए पहले दोनों क्षेत्रों के बीच विभिन्न अंतरालों को समझना अपरिहार्य है। शिक्षाविदों और उद्योग के बीच कुछ अंतराल निम्नानुसार है।

1. विश्वविद्यालयों / उच्च शिक्षण संस्थानों (एच.ई.आई.एस.) पाठ्यक्रम उद्योग मानकों के अनुसार नहीं है।
2. उद्योग में विद्यार्थियों को अल्पकालीन प्रशिक्षण के माध्यम से उचित काम करने का माहौल नहीं मिल पा रहा है।
3. औद्योगिक जोखिम की कमी वाले संकाय / पाठ्यक्रम की उपलब्धता।
4. मूल्यांकन की प्रक्रिया
5. कौशल अंतर या प्रदर्शन अंतर या रोजगार अंतराल।
6. उद्योग जगत का शिक्षा क्षेत्र में पाठ्यक्रम निर्माण में सकारात्मक भूमिका का अभाव।

अंतर को पाटने हेतु सुझाव :–

1. उद्योग जगत के सहयोग से स्थानीय कौशल माँग को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम तैयार किए जाए। उद्योग जगत स्वयं आगे आकर अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने में सहभागी बने।
2. उद्योग / एम.एस.एम.ई / स्टार्टअप्स के माध्यम से युवाओं का कौशल संवर्धन, जिसमें युवा रोजगार / स्वरोजगार योग्य बन सके।
3. शिक्षा क्षेत्र के कई शिक्षाविद् अनुसंधान उन्मुख हैं किन्तु प्राप्त निष्कर्षों का वाणिज्यिक उत्पाद में बदलने की क्षमता का अभाव है। शिक्षाविदों को यह दिखाने में सक्षम होने की आवश्यकता है कि कैसे अपने शोध से पैसा कमाएँ ताकि वे वास्तविक दुनिया के लिए तैयार हों।
4. विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल या नरम कौशल (सॉफ्ट स्किल) की कमी होती है। विद्यार्थियों से क्या अपेक्षित है और वे क्या प्रदर्शन करते हैं, के बीच अंतर को स्किल गैप के रूप में मापा जा सकता है। इसे कभी–कभी प्रदर्शन अंतराल (परफॉरमेंस गैप) या रोजगार अंतराल भी कहा जाता है।
5. अकादमिक जगत में विद्यार्थी का मूल्यांकन प्राप्त ग्रेड के आधार पर होता है, लेकिन कार्पोरेट में मूल्यांकन प्रदर्शन आधारित है। प्राप्त अनुदेशों को आत्मसात कर, चुनौतियों का सामना करते हुए, बाधाओं को दूर कर अपेक्षित आउटकम्स लक्ष्य पूर्ति के रूप में प्रदर्शित होता है।
6. उद्योग जगत विभिन्न परियोजनाओं को अपनी समय–सीमा में पूरा करने में व्यस्त है। अतः शिक्षा क्षेत्र में पाठ्यक्रम निर्माण में सहयोग करने में उनकी कोई रूचि परिलक्षित नहीं होती है। युवाओं में कौशल विकास हेतु शिक्षा क्षेत्र के विद्यार्थियों को अवसर उपलब्ध कराने में उनके लक्ष्य प्रभावित होते हैं, उद्योग जगत इसे समय की बर्बादी के रूप में लेते हैं। अतः उद्योग जगत को सकारात्मक भाव के साथ शिक्षा क्षेत्र से कदम से कदम मिला कर पहल की आवश्यकता है।

   यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित कर छात्र केन्द्रित शिक्षा को महत्त्व प्रदान करते हुए लर्निंग फेक्ट्रीज की अवधारणा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

*सदस्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति समन्वय प्रकोष्ठ उच्च शिक्षा संचालनालय, भोपाल म.प्र.

नई शिक्षा नीति में अर्थशास्त्र का महत्त्व

डॉ. समता जैन
प्राध्यापक, अर्थशास्त्र

प्रस्तावना : स्वतंत्रता के बाद से हमारे देश में शिक्षा के क्षेत्र में कई परिवर्तन आए हैं। शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए कई नीतियों का प्रावधान किया गया है। इन नीतियों में से एक महत्त्वपूर्ण नीति है 'नई शिक्षा नीति 2020'। शिक्षा हमारे समाज का मूलाधार होती है और उसमें अर्थशास्त्र का महत्त्वपूर्ण स्थान है। नई शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में बड़े बदलावों को लाने का प्रयास है और इसमें अर्थशास्त्र को महत्त्वपूर्ण भूमिका दी गई है। यह नई नीति छात्रों में व्यापारिक समझ, आर्थिक प्रणाली, नवाचारों की पहचान और आर्थिक विकास के लिए नए अवसरों की पहचान करने में मदद करती है। इसलिए नई शिक्षा नीति में अर्थशास्त्र का महत्त्व बहुत उच्च है।

शिक्षा और अर्थशास्त्र दोनों ही मानव सभ्यता के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अर्थशास्त्र एक ऐसा विज्ञान है जो हमें समाज, व्यापार, वित्तीय प्रणाली, नीति निर्धारण और आर्थिक नजरिए से समझने की क्षमता प्रदान करता है। शिक्षा में अर्थशास्त्र के अध्ययन से छात्रों को आर्थिक जगत के साथ परिचित कराकर उन्हें आर्थिक उच्चता की दिशा में प्रगति करने में सहायता करती है।

भारतीय शिक्षा नीति का महत्त्व राष्ट्रीय विकास और उत्पादनता के लिए अपार है। नई शिक्षा नीति 2020 ने भारतीय शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण परिवर्तनों को लागू किया हैं और इसका उद्‌देश्य बच्चों को समाज के सभी क्षेत्रों में सशक्त बनाना है। एक ऐसी महत्त्वपूर्ण दिशा है अर्थशास्त्र अध्ययन, जो छात्रों को आर्थिक ज्ञान और विचारधारा से परिचित कराता है। अर्थशास्त्र का महत्त्व शिक्षा नीति में स्थापित किया गया है, क्योंकि यह छात्रों को आर्थिक उच्चता और नैतिकता की दिशा में प्रगति करने में मदद करता है।

अर्थशास्त्र को शिक्षा नीति में सम्मिलित करके, नीति निर्माताओं ने आर्थिक साक्षरता, वास्तविकता, निर्णय लेने के कौशल, उद्यमिता और नवाचार नीति जागरूकता और नौकरी के विकल्पों के कारण महत्त्वपूर्ण योगदान किया है।

पहले बातचीत करते हैं आर्थिक साक्षरता की। आर्थिक साक्षरता नई शिक्षा नीति में मौलिक तत्त्व है। इसे छात्रों को आर्थिक प्रणाली के कार्यान्वयन की समझ प्रदान करने और संसाधनों के आवंटन के प्रमुख सिद्धांतों को समझाने के लिए शामिल किया जाता है। आर्थिक साक्षरता व्यक्ति को उपभोक्ता, कर्मचारी और नागरिक के रूप में सचेत निर्णय लेने के लिए आवश्यक होती है। इसके माध्यम से छात्र आर्थिक संकेतकों को समझते हैं, बाजार की दिशाओं का विश्लेषण करते हैं और आर्थिक नीतियों के परिणामों का मूल्यांकन करते हैं।

दूसरे, अर्थशास्त्र की वास्तविकता के बारे में बात करें। अर्थशास्त्र इन्फ्लेशन, बेरोजगारी, गरीबी, आय असमानता और पर्यावरणीय संरक्षण जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्‌दों का समाधान करने के लिए जरूरी होता है।

अर्थशास्त्र को शिक्षा नीति में सम्मिलित करने से छात्रों को आर्थिक घटनाएं और उनके परिणामों की गहरी समझ होती है। उन्हें यह समझने में मदद मिलती है कि व्यक्तियों, राष्ट्रों और वैश्विक स्तर पर किए जाने वाले आर्थिक निर्णयों से समाजों को कैसे प्रभावित किया जा सकता है। यह समझ उन्हें आगे बढ़ने और भविष्य की जटिल आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है।

तीसरे, अर्थशास्त्र निर्णय लेने के कौशल को विकसित करता है। अर्थशास्त्र के अध्ययन से छात्रों में विश्लेषणात्मक और समीक्षात्मक सोच का निर्माण होता है। उन्हें विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन करना लागत और लाभ की वजहों को मूल्यांकित करना और आर्थिक परिणामों को समझने की क्षमता प्राप्त होती है। इससे छात्रों को बिजनेस, निवेश और आर्थिक निर्णय लेने के प्रमुख सिद्धांतों की समझ होती है, जो उन्हें सकारात्मक और सही निर्णय लेने में मदद करता है।

चौथे, अर्थशास्त्र को नई शिक्षा नीति में सम्मिलित करके छात्रों की उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाता है, जो आर्थिक विकास और समाज की प्रगति के माध्यम से महत्त्वपूर्ण होते हैं। यह छात्रों को आत्मविश्वास, समय–प्रबंधन, संघटना, नवाचार, और समस्या समाधान की क्षमताओं का विकास करता है। इसके माध्यम से छात्र व्यापारिक मानसिकता और स्वतंत्रता को समझते हैं, जो उन्हें स्वयं के व्यापार की शुरुआत करने और नए विचारों को समय–समय पर लागू करने के लिए प्रेरित करता है।

पांचवे, नई शिक्षा नीति में अर्थशास्त्र को सम्मिलित करने से नीति जागरुकता बढ़ती है। आर्थिक नीतियाँ समाज में व्यापार, निवेश, कर, वित्तीय संरचना, और आय वितरण के कार्य को प्रभावित करती हैं। छात्रों को ये नीतियां समझाने से वे नीतियों के प्रभाव को समझने और विचार करने की क्षमता प्राप्त करते हैं। इसके माध्यम से छात्रों को नीतियों के माध्यम से समाज में सुधार करने और नये और स्वयंसेवी नीतियों का विचार करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

छठे, अर्थशास्त्र छात्रों को रोजगार के विकल्पों के बारे में जागरूक करता है। अर्थशास्त्र के अध्ययन से छात्रों को रोजगार के संबंध में समझ और ज्ञान प्राप्त होता है। वे राष्ट्रीय बाजार में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में जान सकते हैं, जिससे इन्हें अपने कॅरियर के विकल्पों के बारे में विचार करने की क्षमता मिलती है। इसके माध्यम से छात्रों को अपनी प्राथमिकताओं और रुचियों के अनुसार रोजगार के विभिन्न विकल्पों को चुनने की क्षमता मिलती है।

एक और महत्त्वपूर्ण कारण अर्थशास्त्र के महत्त्व का यह है कि यह छात्रों को आर्थिक उपयोगिता और बचत की समझ प्रदान करता है। छात्रों को अर्थशास्त्र के माध्यम से व्यावसायिक संचालन और निवेश का ज्ञान प्राप्त होता है। वे आर्थिक सुरक्षा, नौकरी और आय के स्रोतों की पहचान करना सीखते हैं और व्यक्तिगत वित्तीय योजनाओं को बनाने और प्रबंधित करने में सक्षम होते है। इसके अलावा, अर्थशास्त्र के माध्यम से छात्रों को सामाजिक और आर्थिक न्याय के मूल्यों की समझ प्राप्त होती है। वे आर्थिक तंदुरूस्ती, सशक्तिकरण और समानता के लिए आवाज बुलंद करने में सक्षम होते हैं।

नई शिक्षा नीति 2020 ने अर्थशास्त्र को एक महत्त्वपूर्ण विषय के रूप में मान्यता प्रदान की है और इसके अध्ययन को प्राथमिकता दी है। यह नीति बच्चों को एक समृद्ध, समग्रतापूर्ण और सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करने का उद्देश्य रखती है। अर्थशास्त्र के महत्त्व को इस नीति में प्रभावी ढंग से शामिल किया गया है ताकि छात्रों को एक सशक्त और आर्थिक विचारधारा के साथ संघर्ष करने की क्षमता प्राप्त हो सके।

इसके साथ ही, भारतीय शिक्षा नीति को व्यापक और आवश्यकतानुसार बनाने का प्रयास किया है। अब छात्रों को न केवल सामाजिक विज्ञान और विज्ञान के माध्यम से विकास करने का मौका मिलेगा, बल्कि उन्हें आर्थिक ज्ञान और विचारधारा को भी समझने का अवसर मिलेगा। इससे छात्रों की मानसिकता, विचाराधारा और सोच में सकारात्मक परिवर्तन होगा।

अतः अर्थशास्त्र का महत्त्व नई शिक्षा नीति में सिर्फ उच्च माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के बच्चों के लिए सम्मिलित नहीं किया जा रहा है, बल्कि मूल शिक्षा से ही शुरू हो रहा है। इससे छात्रों को समृद्ध और सुगम आर्थिक जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। और भारतीय समाज को समृद्ध और न्यायपूर्ण नागरिकों के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

अधिकतर लोग शिक्षा को केवल अकादमिक ज्ञान का माध्यम मानते हैं, लेकिन अर्थशास्त्र के माध्यम से यह साबित होता है कि शिक्षा का अर्थ व्यापारिक जीवन में सफलता, आर्थिक स्वाधीनता और समाज के साथियों के प्रति जिम्मेदारी लेना है। यदि हम भारतीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अर्थशास्त्र को विस्तार से शामिल करते हैं, तो हम अपने देश की आर्थिक प्रगति, और न्याय की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम बढ़ा सकते हैं।

सारांश : इस प्रकार, नई शिक्षा नीति में अर्थशास्त्र का महत्त्वपूर्ण स्थान है। अर्थशास्त्र को शिक्षा नीति में सम्मिलित करके छात्रों को आर्थिक साक्षरता, वास्तविकता, निर्णय लेने के कौशल, उद्यमिता और नवाचार, नीति जागरूकता और नौकरी के विकल्पों के संबंध में महत्त्वपूर्ण ज्ञान प्रदान किया जा सकता है। इससे छात्रों को समृद्धि की दिशा में बेहतर तैयारी मिलती है और समाज को आर्थिक विकास की ओर अग्रसर करने में मदद मिलती है। इसलिए नई शिक्षा नीति में अर्थशास्त्र को सम्मिलित करने का यह महत्त्वपूर्ण कदम है। अर्थशास्त्र के अध्ययन से छात्रों को विभिन्न आर्थिक मामलों में स्वतंत्रता और समग्रपूर्ण निर्णय लेने की क्षमता प्राप्त होती है। यह छात्रों को सकारात्मक सोच, विचारधारा और नवीनता की प्रेरणा प्रदान करता है। इससे छात्रों को व्यावसायिक और आर्थिक क्षेत्र में योग्यता प्राप्त करने में मदद मिलेगी और वे समृद्ध नागरिक के रूप में उभर सकेंगे। यह नीति देश की आर्थिक विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है और हमें इसे संपूर्णतः समर्थन करना चाहिए। प्रत्येक छात्र को आर्थिक ज्ञान, विचाराधारा और योग्यताओं को समझने और उनका उपयोग करने का अवसर मिलना चाहिए। इससे हम एक सकारात्मक और आर्थिक रूप से सशक्त नागरिक समाज का निर्माण कर सकेंगे और देश को गरिमामय भविष्य की ओर ले जा सकेंगे। अतः हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अर्थशास्त्र के अध्ययन को नई शिक्षानीति के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाए जाकि हमारी युवा पीढ़ी अधिक सक्रिय, उद्यमी और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बन सके।

Process and Application of City Compost for Organic Farming

Dr. Neelam Chopra*

Dr. Gopal Rathore**

1. Introduction

"Compost is the stable and product derived from the biological degradation of organic material, which can vary from dead leaves and roots to kitchen waste and vegetable remains. Finished Compost looks like soil-dark brown, crumbly and smells like a forest floor." Solid waste management in urban and rural areas in is major issue during last few years, especially after the slogan given by Prime Minister as a **"Clean India Mission".** Increasing population and level of awareness are two main reasons for proper solid waste management. The environment and the community are affected, if municipal waste management team do not proper waste decomposition. City compost production is considered an economic and environmentally friendly technique for reduce the waste going into open land. The application of city compost can improve soil health and fertility as well as sustainability of agricultural production by increasing soil organic matter and supplying essential nutrients. Organic matter is a major component of a healthy soil and it plays an important role for maintain soil physical, chemical and biological properties. City compost is organic matter that has ben decomposed by waste materials which collected from urban and rural areas and apply as organic fertilizer. City compost containing high concentration of essential nutrients which is responsible for plants growth and it is used in gardens, horticulture and agriculture. City compost is also useful for erosion control, land and stream reclamation. The conversion from organic waste to relatively stable compounds, like compost allows its later use as soil condition-enhancing organic amendment considered. In fact, from the agricultural and environmental point of view, the application on soil of composted organic wastes is a recommended practice, to achieve the remediation of degraded soils and the nutrient supply to plants.

1.2 Policy of City Compost :

The Ministry of Chemicals and Fertilizers had announced a Policy on Promotion of City Compost to promote city in February 2016. The advertisements and punch line *"Compost Banao, Compost Apano"* (Make compost, use compost) did catch on but the lack of an appropriate market and ineffective implementation didn't give this much-needed practice the desired popularity. India currently produces close to 1.5 lakh tonnes of solid waste every day and its bioegradable fraction ranges between 30 percent and 70 percent various Indian cities. This means there is a huge potential for composting. the most natural from of processing wet waste. But, uncontrolled decomposition of organic waste in dumpsites and also leads to emission of potent greenhouse gases. So, it is imperative that necessary actions be taken to promote appropriate disposal machanisms for solid waste management.

2. Method of City Compost process :

Steps were followed by various Municipal Corporations in India for rapid composting at large and small scale-

2.1 Garbage collection :

Door to door dry and moist grabage were collected separately with the help of municipal corporation management team by grabage collection vehicles, separately (Moist and Dry).

2.2 Separating :

The degradable and non-degradable materials were separated using automatic or manual separator with proper safety.

2.3 Grinding :

The rotating cylindrical grinder is used for chopping. The garbage material passes through the two shells, it is ground into smaller pieces and thoroughly mixed. The ground material falls out the bottom and through a screen where the larger pieces are screened out.

2.4 Composting :

Composting is a process by which organic wastes are converted into organic fertilizers by means of biological activity under controlled conditions. It is an important technique for recycling organic (agricultural and industrial) wastes and for improving the quality and quantity of organic fertilizers. Composting is a self heating, thermophilic and aerobic biological process occurs naturally in heaps of biodegradable process and is

carried out by different kinds of heterophyllic microorganisms, bacteria, fungi, actionomyctes and protozoa, which derive their energy and carbon requirements from the decomposition of carbonaceous materials.

3. Phase of Composting :

In the process of composting, microorganisms break down matter and produce carbondioxide, water, heat and humans the relatively stable organic end product. Under optimal conditions, composting proceeds through three phases :1) the mesophilic, or moderate-temperature phase, which lasts for a couple of days, 2) the thermophilic, or high temperature phase, which can last from a few ays to several months, and finally, 3) a several-month cooling and maturation phase (Fig-1.)

Different communities of microorganism predominate during the various compositing phase. Initial ecompostion is carried out by meophilic microorganism, which rapidly break down the soluble, readily degradable compounds. The heat they produce causes the compost temperature to rapidly rise.

As the temperature rises above about 40°C, the mesophilic microorganisms become less competitive and are replaced by others that are thermophilic, or heat-loving. At temperatures of 55°C and above many microorganisms that are human or plant pathogens are destroyed. Because temperatures over about 65°C kill many forms of microbes and limit the rate of decomposition, compost managers use aeration and mixing to keep the temperature below this point.

During the thermophilic phase, high temperatures accelerate the breakdown of proteins, fats, and complex carboydrates like cellulose and hemicellulose, the major structural molecules in plants. As the supply of these high-energy compounds becomes exhausted, the compost temperature gradually decreases and mesophilic microorganisms once again take over for the final phase of "curing" or maturation of the remaining organic matter.

4. Benefits of City Compost for Soil :

City compost contains sufficient concentration of nutrients. Compost which improves soil properties by adding nutrients and increases microbial and enzyme activity in soil as well as stimulate plant growth and thus increase the yield of crops. The application of city compost can improve soil health and fertility as well as sustainability of agricultural production by increasing soil organic matter and supplying essential nutrients. The application of city compost with NPK gives batter production of vegetable crops. Some important benefits of City Compost are classified below-

4.1 Improve the soil texture : Compost help bind clusters of soil particles, called aggregates, which provide good soil structure. Such soil is full of tiny air channels & poor's that hold air, moisture and nutrients.

4.2 Enhance Water Holding Capacity : Compost holds a direct effect over the macrostructure of agricultural soils, mainly in arid zones, having influence over pore volume, and promoting soil moinsture distribution and gas exchanges. Apparent density is downsized, so consequently, permeability and stability of aggregates are increased. Furthermore, it increases water-retention capability and decreases land erosion.

4.3 Balance of Soil pH : Compost buffers the soil, neutralizing both acid & alkaline soils, bringing pH levels to the optimum range for untrient availability to plants.

4.4 Balance the Beneficial Microorganism : Compost brings and feeds diverse life in the soil. These bacteria, fungi, insects, worms and more support healthy plant growth.

- Compost bacteria break down organic into plant available nutrients. Some bacteria convert nitrogen from the air into a plant available nutrient.
- Compost enriched soil have lost of beneficial insects, worms and other organisms that burrow through soil keeping it well aerated.
- Compost may suppress diseases and harmful pests that could overrun poor, lifeless soil.

5. Conclusion :

City compost is nutrients rich organic manure which is produced by city garbage. The former shell applied city compost at their field so they can improve the soil health an decereased the rate of chemical fertilizer conception. The farmer also use for Organic Farming. This technique composting also clean or society and make our city pollution free. Its better example of RRR concept, Reduce, Reused and Recycle.

*Department of Chemistry, Babulal Gaur Govt. P.G. College, BHEL, Bhopal (M.P.) and
**Department of QC and R&D Saraswati Agrochemicals (India) Pvt. Ltd. Jammu (J&K)

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
21 Feb ·

स्वदेश
Bhopal Main-Edition

कार्यशाला | भेल महाविद्यालय में प्रश्न बैंक पर कार्यशाला का आयोजन

शिक्षा को रोजगार मूलक बनाने में प्रोफेसर अपनी अहम भूमिका निभाएं : डॉ. प्रसाद

प्रश्न बैंक की उपयोगिता पर विचार विमर्श

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
12 Dec 2022 ·

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में उत्तरदायी पर्यटन विषय पर हुआ व्याख्यान

'सामुदायिक और ग्राम्य पर्यटन से पर्यावरण व सांस्कृतिक संरक्षण को प्रोत्साहन मिलता है'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भेल. सामुदायिक और ग्राम्य पर्यटन से स्थानीय लोगों के रोजगार अवसर बढ़ते हैं। भीमबेटका विश्व पर्यटकों का आकर्षण केंद्र है। इससे इस क्षेत्र में नए-नए रोजगारों में वृद्धि हो रही है। यह बात विषय विशेषज्ञ डॉ. मनोज सिंह और डॉ. नारायण व्यास ने कही। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में शुक्रवार को मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना, आईक्यूएसी और टूरिज्म क्लब के तत्वावधान में 'रिस्पॉसिबल टू रिज्म' (उत्तरदायी

और मेजबान के गहरे संबंध बनते हैं। इससे पर्यावरण और सांस्कृतिक ... कौशल संवर्धन के लिए अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर

अपनी बात रखते हुए कहा कि भीमबेटका की गुफाएं और इनके शैलचित्र भारतीय उपमहाद्वीप पर मानव जीवन के प्राचीनतम चिह्न हैं। यूनेस्को ने वर्ष 2003 में इसे विश्व धरोहर घोषित किया है। विश्व भर के पर्यटकों के लिए यहां के शैलाश्रय और रॉक पेंटिंग आकर्षण का केन्द्र हैं। यह पेंटिंग आज भी वैसी ही हैं।

डॉ. व्यास ने बताया कि देशी-विदेशी पर्यटकों के कारण इस क्षेत्र में रोजगार के नए-नए अवसर बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्य डॉ. आरके खजवानिया ने पौधे-गमला से विषय विशेषज्ञों का सम्मान

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
9 Apr ·

आयोजन | बाबूलाल गौर महाविद्यालय ने किया सात दिवसीय शिविर का आयोजन

स्वयंसेवकों में अनुशासन और उनके व्यक्तित्व विकास के लिए एनएसएस शिविर जरूरी: प्राचार्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

बौद्धिक सत्र में दी महत्वपूर्ण जानकारी

ग्रामवासियों को दी स्वच्छता की जानकारी

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
29 Sept 2022 ·

27.9.2022 *ऐतिहासिक ... See more

'ऐतिहासिक स्थलों के पर्यटन से हमारे समृद्ध वास्तु कौशल का ज्ञान मिलता है'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

12वीं पास पा सकते हैं रोजगार

ऐतिहासिक स्थलों से वास्तु कौशल का ज्ञान मिलता है-डॉ.मथुरा प्रसाद

कॉलेज में पर्यटन क्लब ...

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
28 Aug 2022 ·

25.8.2022*बौद्धिक सम्पदा अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में युवाओं को केरियर बनाने की अपार संभावनाएं*-डा अ... See more

बौद्धिक सम्पदा अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में युवाओं को कॅरियर बनाने की अपार संभावनाएं: डॉ. अजय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

बौद्धिक सम्पदा अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में युवाओं को कॅरियर बनाने की अपार संभावनाएं : ठाकुर

बौद्धिक संपदा अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में कॅरियर बनाने की अपार संभावनाएं

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
14 Feb ·

8.2.2023 seminar on Research Methodology

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
5 Apr ·

4.4.2023Six cadets of our college were selected for the gard of honour to perform in ... See more

---

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
25 Dec 2022 ·

22.12.2022 *भारतीय शिक्षा और संस्कृति बहुत समृद्ध है,श्री श्रीनिवास रामानुजन अदभुत प्रतिभा ... See more

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
26 Feb ·

25.2.2023

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
26 Feb ·

24.2.2023*अधिकारी एवं कर्मचारी भी सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत उत्तरदायी- डा डी आर तिवार... See more

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
15 Nov 2022 ·

10.11.2022*अंक सकारात्मक ऊर्जा वृद्धि करते हैं -डा. द्विवेदी*
भोपाल! *अंक हमारे जीवन... See more

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
2 Oct 2022 ·

28.9.2022*स्मरण शक्ति बढ़ाने एवं स्वस्थ्य जीवन शैली के लिए योग कारगर*
'प्रतिदिन एक यूनिट बिजली ... See more

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
2 Oct 2022 ·

1.10.2022On the occasion of Gandhi Jayanti the following activity performed by ... See more

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
14 Feb ·

8.2.2023 Seminar on Researc
Methodology

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
19 Jan ·

14.1.2023 भोपाल !भेल कालेज में आलू गुलाबजामुन ,इडली सांभर,पानीपुरि और चाय की खूब डिमांड रह... See mo

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
29 Apr ·

27.4.2023 जनभागीदारी समिति सामान्य परिषद बैठक

Babulal Gaur Govt PG College BHEL Bhopal
7 Apr ·

6.4.2023.We have signed MoU with Nutricharge. The CEO and Vice President of mar... See mo

वार्षिक प्रतिवेदन

आंतरिक गणुवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

इस महाविद्यालय में 12 जून 2007 से यह प्रकोष्ठ अस्तित्व में है अब तक इस प्रकोष्ठ की 31 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। संस्था प्रमुख प्राचार्य इसके अध्यक्ष होते हैं। संस्था के आठ प्राध्यापक सदस्य होते हैं। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी सदस्य होता है। तथा लोकल सोसायटी के दो प्रतिनिधि, एक छात्र प्रतिनिधि एवं एक पूर्व छात्र प्रतिनिधि तथा उद्योगपति स्ट्रेक होल्डर और नियोक्ता प्रतिनिधी भी इसका सदस्य होता है। महाविद्यालय का एक वरिष्ठ प्राध्यापक इसका संयोजक होता है। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, समिति महाविद्यालय के चहुमुंखी विकास के लिये विभिन्न संकाय सदस्यों के साथ सर्वोत्तम कार्य योजना तैयार करती है। जिससे महाविद्यालय गुणवत्ता वृद्धि एवं निरंतरता के लक्ष्यों को प्राप्त कर सके। पारंपरिक शिक्षण संस्कृति के विपरीत IQAC छात्रों में 'स्थानीय रूप से सोचे विश्व स्तर पर कार्य करें' की मानसिकता को विकसित कर उन्हें एक वैश्विक मंच प्रदान करने का प्रयास करता हैं। इस हेतु IQAC द्वारा इन 7 **CRITERIA** पर कार्य किया जाता हैं– 1. Curricular Aspects.. 2. Teaching Learning and Evaluation., 3. Research Innovations and Extension, 4. Infrastructure and Learning Resources, 5. Student Support & Progression, 6. G o v e r n a n c e Leadership and Management, 7. Institutional Values and Best Practices

वर्तमान सत्र में IQAC द्वारा उपरोक्त लोगो तथा टेग लाईन तैयार की गई। इसके अंतर्गत – छात्र केन्द्रित शिक्षण वातावरण बनाने के उद्देश्य से विभिन्न सेमिनार, विशेष व्याख्यान, कार्यशाला, शैक्षणिक भ्रमण आदि का आयोजन। शिक्षा में नवाचार के लिये नवीनतम तकनीक का कुशलतापूर्वक उपयोग करने, विभिन्न कौशल विकास हेतु फेकल्टी को सक्षम बनाने के लिये विभिन्न 'Facutly Development Programme' का आयोजन। गुणवत्ता पूर्ण शैक्षणिक वातावरण हेतु विभिन्न कार्यशालाओं और संगोष्ठी का आयोजन। शोधकार्य को प्रोत्साहित करने हेतु Research Methedology आदि विषय पर कार्यशाला का आयोजन। उद्यमिता विकास हेतु उद्यमिता शिविर विभिन्न उद्यान आधारित कार्यशाला Industry, Acadmic Innovtion पर कार्यशाला का आयोजन। सामाजिक मूल्यों पर आधारित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 'Effect of Alcohal consumpsion of Society' का आयोजन छात्राओ की रक्षा हेतु Self Defence Training Programme का आयोजन। योजना के अन्तर्गत Magic of Millate का आयोजन । Sensitisation Seminar का आयोजन। विभिन्न विषयों में Expert Lecture का आयोजन । विभिन्न Stockholder से Feeback प्राप्त कर, विश्लेषण कर महाविद्यालय के कार्यो में सुधार कर प्रगति की ओर अग्रसर होते हुए प्रयास करना। इस प्रयास से संगठनात्मक संरचना का निर्माण करना। दस्तावेजीकरण करना। NAAC मूल्यांकन हेतु SSR तैयार करना। AQAR तैयार करना एवं महाविद्यालय की प्रतिष्ठा को निरंतर बढ़ाने संबंधी कार्य किये जा रहे हैं वर्तमान में नेक द्वारा महाविद्यालय को B++ ग्रेड प्रदान किया गया है। निकट भविष्य में शीघ्र ही नेक मूल्यांकन में A ग्रेड प्राप्ति हेतु IQAC द्वारा सतत प्रयास किये जा रहे हैं। महाविद्यालय में IQAC के मार्गदर्शन में गठित विभिन्न समितियां सक्रिय रहकर गतिविधियां आयोजित करती हैं।

संयोजक–डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव

- **कॉलेज चलो अभियान**

उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष महाविद्यालय में कॉलेज चलो अभियान आयोजित किया जाता है। जिसमें जिस क्षेत्र में महाविद्यालय है उस क्षेत्र के विद्यालयों से सम्पर्क कर विद्यार्थियों को एवं स्कूल के प्राचार्यो को ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया से अवगत कराया जाता है। महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न योजना की जानकारी दी जाती है। वर्तमान सत्र में महाविद्यालय द्वारा सेंट जेवियर सेकेण्ड्री कोएड स्कूल, डी.ए.वी. पब्लिक हायर सेकेण्ड्री स्कूल, विवेकानंद विद्यापीठ, प्रगतिशील हायर सेकेण्ड्री स्कूल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आनन्द नगर, बोनीफाई हायर सेकेण्ड्री स्कूल, कार्मल कान्वेन्ट स्कूल, सरस्वती हायर सेकेण्ड्री स्कूल, सेंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल, सत्य सांई हायर

सेकण्ड्री स्कूल, न्यूटन हायर सेकेण्ड्री स्कूल, विक्रम हायर सेकेण्ड्री स्कूल, राधाकृष्णन गर्ल्स हायर सेकेण्ड्री स्कूल और शासकीय महात्मा गांधी हायर सेकेण्ड्री स्कूल में सम्पर्क किया गया। जिसमें डॉ. गरिमा जाउलकर, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. नीता बादल, डॉ. अनुपमा यादव, डॉ. वर्षा चौहान, डॉ. ए.के. महागाये, श्रीमती चित्रा खरे, डॉ. नीलम चोपड़ा, प्रो. शालिनी तिवारी, डॉ. ईलारानी श्रीवास्तव, डॉ. सुषमा जादौन, श्रीमती प्रतिभा डेहरिया, डॉ. शीला कुमार, डॉ. समता जैन और डॉ. सीमा माथुर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विस्तृत जानकारी दी, उच्च शिक्षा विभाग की केन्द्रिय योजनाएं अनुसूचित जाति जन जाति / पिछड़ा वर्ग द्वारा संचालित प्रोत्साहन एवं छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी।

संयोजक–डॉ.अनुराधा दुबे

- **युवा उत्सव**

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल में दिनांक 18 एवं 19 अक्टूबर को युवा–उत्सव का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अतिरिक्त संचालक भोपाल नर्मदापुरम संभाग डॉ. मथुरा प्रसाद जी ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अपने उद्बोधन में प्राचार्य ने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि युवा उत्सव प्रतिभाओं को मंच देने का सशक्त माध्यम है। सर्वप्रथम वक्तृता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति आत्म निर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका रखेगी' इस विषय पर प्रतिभागियों ने अपने सटीक विचार रखे। प्रतीक शुक्ला ने प्रथम, खुशी द्विवेदी ने द्वितीय और लोकेन्द्र सिंह सोलंकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य में श्रीया विश्वकर्मा ने पहला, काव्या मालवीय ने दूसरा और मुस्कान हरसन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। समूह नृत्य में अंकिता एवं निकिता धुर्वे प्रथम रही। पारूल, स्वीटी, शिवानी एवं अंजली का समूह द्वितीय स्थान पर रहा। तृतीय स्थान पर वर्षा मालवीय का समूह रहा। विद्यार्थियों ने नृत्य प्रतियोगिता का भरपूर आनंद लिया।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में B टीम प्रथम स्थान पर रही। रंगोली में साक्षी सेंगर पहले, श्रीया विश्वकर्मा दूसरे और मुस्कान तीसरे स्थान पर रहीं। एकल गायन में श्रावणी ने पहला, तनु चिंघारिया ने दूसरा और श्रीया विश्वकर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। समूह गायन में 'निकिता धुर्वे समूह' प्रथम स्थान पर रहा। द्वितीय स्थान 'तनु चिंघारिया समूह' ने प्राप्त किया। पोस्टर निर्माण में बी.कॉम. III के शिवम जाट प्रथम रहे। श्रीया विश्वकर्मा दूसरे और याशिका शिवदासानी तीसरे स्थान पर रहीं। इन प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के ज्ञान और अभिव्यक्ति संप्रेषण में वृद्धि होती है।

रंगोली प्रतियोगिता में 10 प्रतिभागियों ने सुंदर, आकर्षक रंगोली बनाई। साक्षी सेंगर को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। श्रीया विश्वकर्मा को द्वितीय और मुस्कान हरसन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। छात्राओं ने सुंदर रंगों से आकर्षक रंगोली बनायी और सभी का मन जीत लिया। युवा उत्सव के समापन पर सभी विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। युवा उत्सव में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। उनके दायित्व को निखारने में इस उत्सव की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

युवा उत्सव प्रभारी– डॉ. अंशुबाला मिश्रा

- **वार्षिक स्नेह सम्मेलन**

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल में दिनांक 25 फरवरी 2023 को वार्षिक उत्सव 'विहान' का आयोजन किया गया। रंगोली, पूजा–थाली सज्जा, मेंहदी, मेजिक ऑफ मिलिट्स, काव्य–पाठ जैसे प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी रचनाशीलता और प्रतिभा का परिचय दिया। 'विहान' में सर्वप्रथम रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें श्रीया विश्वकर्मा को प्रथम, साक्षी सेंगर को द्वितीय तथा महक मीणा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 'थाली सज्जा' प्रतियोगिता में महक मीणा प्रथम, श्रीया विश्वकर्मा द्वितीय और तनु चौहान तृतीय स्थान पर रही। मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर क्रमशः साक्षी और श्रीया रहीं। 'मेजिक ऑफ मिलेट्स' प्रतियोगिता में 10 छात्र–छात्राओं ने मोटे अनाज से पोषक, आकर्षक और स्वादिष्ट रेसिपी प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में आभा वर्मा ने पहला, प्रेरणा केशकर ने दूसरा और कृति वर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सारिका मुखर्जी को सांत्वना पुरस्कार दिया

गया। वार्षिक स्नेह सम्मेलन में नवाचार के रूप में कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस स्वरचित काव्य–पाठ प्रतियोगिता में तनु चौहान प्रथम स्थान पर रहीं। श्रीया विश्वकर्मा को द्वितीय और लक्ष्य इवने को तृतीय स्थान मिला। 27 फरवरी को वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिताओं में 4 x 10 रन महिला, पुरुष दौड़, सीट अप्स पुरुष एवं महिला, पुशअप महिला एवं पुरुष में विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की गई। 27 फरवरी को ही विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

प्रभारी – डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठएवं ट्रेनिंग एंडप्लेसमेंट सेल

महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ योजना सत्र 2008 से संचालित हो रही है। इस योजना के तहत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयत्न किये जा रहे हैं, जिससे रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में संलग्न होकर विद्यार्थी भविष्य में देश और समाज के लिए अपना योगदान पूर्ण क्षमता, निष्ठा और आत्मविश्वास के साथ दे सकें। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के मुख्य उद्देश्य हैं– विद्यार्थियों में कौशल संवर्धन करना। विद्यार्थियों में नेतृत्व के साथ–साथ संचार कौशल विकसित करना। स्वरोजगार करने के इच्छुक विद्यार्थियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना। अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों जैसे सरकारी और गैर–सरकारी क्षेत्रों में रोजगार के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना। इस योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में समय–समय पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती रही हैं। इस सत्र में आयोजित होने वाली गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है–

- दिनांक 13.5.2022 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा म.प्र. स्टार्टअप नीति का वर्चुअल शुभारंभ किया गया, जिसका सीधा प्रसारण श्रवण किया गया।
- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, अकादमी द्वारा स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के सहयोग से महाविद्यालय स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 4.8.2022 को किया गया, जिसका शीर्षक– 'विद्यार्थी केन्द्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' था। इस प्रतियोगिता में 08. विद्यार्थियों ने सहभागिता की प्रथम स्थान प्राप्त छात्र कु. नाज़ सैयद, कक्षा बी.कॉम तृतीय वर्ष ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता की, जो शासकीय हमीदिया महाविद्यालय, भोपाल में दिनांक 17.8.22 को आयोजित थी।
- दिनांक 11.11.22 को MPHEQIP द्वारा प्रायोजित SWAYAM KE Online Courses par Aadhaarit Workshop का आयोजन महाविद्यालय के Career Guidance Cell द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में डॉ. आर. के. श्रीवास्तव, प्राध्यापक IEHE, Bhopal द्वारा विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को इन Course एवं MOOC से संबंधित उपयोगी जानकारी दी गई।
- दिनांक 13.12.22 को सरोजिनी नायडू शा. कन्या महाविद्यालय, भोपाल में आयोजित कॅरियर मेले में टी.पी.ओ. श्रीमती प्रतिभा डेहरिया, सहा. प्रा., अर्थशास्त्र के साथ महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की।
- दिनांक 14.01.23 को प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय में 'उद्यमिता जागरूकता शिविर–स्वावलंबन' का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ डॉ. मथुरा प्रसाद, अतिरिक्त संचालक, भोपाल–नर्मदापुरम संभाग, उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन के द्वारा किया गया। शिविर में महाविद्यालय के ही विद्यार्थियों के द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों के 18 स्टॉल्स लगाये गये, जिनमें गुलाब जामुन, इडली सांभर, सेंड्विच, केक, चाय, गेम्स और बुटिक इत्यादि के स्टॉल्स थे। इसमें सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र 'चुनो और पढ़ो' स्टॉल रहा, जो कि महाविद्यालय के स्टॉफ द्वारा लगाया गया था। इसमें विद्यार्थी अपनी पसंद की कोई भी पुस्तक चुनकर, पढ़ने के लिये निःशुल्क ले जा सका। सफल उद्यमी बनने की प्रेरणा और व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों ने प्राप्त किया।
- दिनांक 16.1.23 को MPHEQIP द्वारा प्रायोजित एवं Career Guidance Cell द्वारा आयोजित Career Guidance पर आधारित तक Workshop का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डॉ. तैयबा खातून, प्राध्यापक शास. नरेला महाविद्यालय भोपाल ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं साक्षात्कार की तैयारी से संबंधित जानकारी दी। इस कार्यशाला में श्रीमती सुषमा माहेश्वरी जो एक सफल महिला उद्यमी है, ने व्याख्यान एवं व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को दिया।

- दिनांक 6.2.23 को SWAYAM के online course पर विद्यार्थियों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई। महाविद्यालय की डॉ. वर्षा चौहान, सहा. प्राध्यापक, गणित द्वारा विद्यार्थियों को बहुत सारगर्भित तथा व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। यह कोर्सेस अलग अलग समयावधि के हैं जिनसे विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।
- महाविद्यालय के समस्त नियमित विद्यार्थियों के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्यप्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की परियोजना के अंतर्गत युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए एक माह का ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स– 'सर्टिफिकेट इन स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट' निःशुल्क दिनांक 22.02.2023 से प्रारंभ किया गया, जिसमें महाविद्यालय के 510 विद्यार्थियों में रजिस्ट्रेशन कराया और प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- इसके साथ ही पूरे सत्र नियमित विद्यार्थियों का इन कंपनियों में जॉब हेतु चयन होने पर उनके एजुकेशन का वेरिफिकेशन किया।

प्रभाव/Outcomes-

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल एवं कॅरियर गाइडेंस सेल के संयुक्त प्रयासों से कई विद्यार्थियों ने सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं में रोजगार प्राप्त किया है। जिसमें उल्लेखनीय है कि – आकाश साहू बीएससी द्वितीय वर्ष (गणित) का पोस्ट ऑफिस में सहायक के पद पर चयन हुआ है। महाविद्यालय के भूतपूर्व नियमित विद्यार्थी राकेश कुमार सिंह एम.ए., दरवेश सोनी बी.कॉम. राकेश सिंह बिष्ट बी.ए., प्रकृति श्रीवास्तव बी.कॉम, जितेन्द्र सिंह सोलंकी बी.कॉम., राजेन्द्र कुमार बी.कॉम., पीयूष अवस्थी बी.कॉम., प्रियंका सिंह पीजी डिप्लोमा इन टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट, पंकज ओड बी.कॉम., दीपक श्रीवास बी.कॉम., शैलेन्द्र भदौरिया बी.कॉम., वरुण बामने बी.कॉम., रुद्रेश डेहरिया बी.कॉम., विवेक सक्सेना बी.कॉम इत्यादि का विभिन्न, कंपनियों में चयन होने के उपरांत एजुकेशन वेरीफिकेशन किया गया। इसके अतिरिक्त कई नियमित विद्यार्थी अध्ययन के साथ–साथ अतिरिक्त समय में कृषि, बागवानी, नर्सरी प्रबंधन, बुटीक, बेकिंग क्लासेस, ब्यूटी पार्लर इत्यादि क्षेत्रों में कार्यरत होकर लाभ अर्जित कर रहे हैं, जैसे कु.सीता एम.ए. (अर्थशास्त्र) – चतुर्थ सेम– संतरे की बागवानी, बसंत धुर्वे बी.ए. द्वितीय वर्ष – ऑर्गेनिक फॉर्मिंग, उधम सिंह बी.एस.सी. (गणित) द्वितीय वर्ष नर्सरी प्रबंधन, सानिया मेहरा, बी.ए., द्वितीय वर्ष–बुटिक, पूजा सिंह बी.कॉम. तृतीय वर्ष–बेकिंग क्लासेस इत्यादि में मार्गदर्शन प्राप्त कर लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन एवं ट्रेनिंग प्लेसमेंट प्रकोष्ठ महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयत्नशील हैं।

डॉ. सीमा माथुर, संयोजक–स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

श्रीमती प्रतिभा डेहरिया–टी.पी.ओ. ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल

रूसा एवं विश्व बैंक परियोजना समिति

म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना MPHEQIP उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन की एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शिक्षा परिणाम में सुधार, विद्यार्थियों का समग्र विकास एवं म.प्र. में उच्च शिक्षा की प्रभावशीलता को बढ़ाना है। परियोजना के तहत म.प्र. के 200 महाविद्यालयों का चयन किया गया हैं बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल परियोजना के लिए चयनित महाविद्यालय में से एक है। परियोजना के अंतर्गत महाविद्यालय के विकास एवं शिक्षा में गुणवत्ता उन्नयन हेतु अनेक कार्य विगत 04 वर्षों से किए जा रहे हैं। सत्र 2020–23 मं परियोजनान्तर्गत किए गए कार्यों का संक्षेप में विवरण निम्नानुसार है–

1. परियोजनान्तर्गत विश्व बैंक की सहायता से लगभग 650 लाख की लागत से महाविद्यालय के नवीन भवन का निर्माण हुआ है। महाविद्यालय कार्यालय तथा कला एवं विज्ञान संकायों के समस्त विभागों का संचालन नवीन भवन से किया जा रहा है।
2. परियोजनांतर्गत महाविद्यालय की IDP के अंतर्गत फर्नीचर क्रय हेतु Rs. 3353209=00 राशि स्वीकृत की गई। स्वीकृत राशि का उपयोग नवीन भवन के लिए फर्नीचर क्रय करने हेतु किया गया।
3. परियोजनान्तर्गत पुस्तकालय हेतु विद्यालय Rs. 298776=00 बजट आवंटन प्राप्त हुआ। प्राप्त राशि का उपयोग E- ग्रंथालय के विकास हेतु किया गया।

4. महाविद्यालय के आय–व्यय का निर्धारित चार्ट ऑफ अकाउंट के अनुरूप सॉफ्टवेयर के माध्यम से लेखा संधारण किया जा रहा है।

5. परियोजना अकादमिक उत्कृष्टता गतिविधियों हेतु महाविद्यालय को रूपये तीन लाख की राशि प्राप्त हुई। उक्त धनराशि से सत्र 2022–23 में निम्नानुसार विभिन्न उत्कृष्टता गतिविधियों का संचालन किया गया–

I WORKSHOP ON ONLINE COURSE (SWAYAM)

दिनांक को SWAYAM के प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन दिनांक 11.11.2022 को एवं 6.2.2023 किया गया। इसमें कुल 165 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

II स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया 13.2.2023 को किया गया। औद्योगिक भ्रमण के 55 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। भ्रमण हेतु विद्यार्थियों को औद्योगिक क्षेत्र मण्डीदीप स्थित Bio Nutrients Pvt. Ltd. एवं L.M. Baker's Pvt. Ltd. कम्पनियों का दौरा कराया एवं उद्योग के बारे में जानकारी दी गई।

III स्नातक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन दिनांक 10.2.2023 को किया गया है। शैक्षणिक भ्रमण में 34 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। भ्रमण हेतु विद्यार्थियों को ऐतिहासिक स्थल सांची ले जाया गया।

IV महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के माध्यम से दिनांक 15.2.2022 को 'वैश्वीकरण में लैंगिक समानता' एवं 'सायबर ठगी से सुरक्षा एवं बचाव' विषयों पर Sensitisation कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 203 छात्र–छात्राओं एवं महाविद्यालय परिवार की उपस्थिति रही।

V महाविद्यालय की NCC इकाई के माध्यम से –

- Girl Self defence Training Program का आयोजन दिनांक 16.11.2022 से 30.11.2022 (15 दिवसीय) तक गिया गया। इसमें महाविद्यालय की 45 छात्राओं ने भाग लिया।
- 'नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 'NCC की चुनौतियाँ एवं अवसर' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक (17–18)–03–2023 को आयोजित किया गया है। इसमें महाविद्यालय के 50 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

VI क्रीड़ा विभाग के माध्यम से विद्यार्थियों हेतु योग प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 16.2.2023 से 24.2.2023 के मध्य आयोजित किया गया। इसमें 48 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। दिनांक 23.2.2023 को सूचना का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित रहा।

VII महाविद्यालय की IQAC इकाई द्वारा 'Industry Academia Innovation' पर कार्यशाला का आयोजन दिनांक 27.1.2023 को किया। कार्यशाला में प्रतिभागिता की संख्या 78 रही। कार्यक्रम में उद्योगों एवं शिक्षा जगत के बीच समन्वय की उपादेयता के बारे में विचार विमर्श हुआ।

VIII महाविद्यालय की IQAC इकाई द्वारा दिनांक 08.02.2023 को 'Research Methodology' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 110 शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

IX स्नातक प्रथम वर्ष हेतु महाविद्यालय में संचालित विभिन्न विषयों हेतु नई शिक्षा नीति NEP 2020 के तहत प्रश्न बैंक के निर्माण के लिए कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20.02.2023 को किया गया। इसमें स्नातक प्रथम वर्ष में महाविद्यालय में संचालित सभी विषयों हेतु प्रश्न बैंक तैयार किया गया।

X 'कॅरियर गाइडेंस इकाई' द्वारा विद्यार्थियों हेतु कॅरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 16.01.2023 को किया गया। इस कार्यक्रम में 40 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

XI ग्रंथालय में विभिन्न विषयों के 05 Research Journals की खरीदी की गई है।

XII महाविद्यालय के कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के समस्त विभागों द्वारा विद्यार्थियों हेतु विभिन्न विषयों में 'विषय विशेषज्ञों' द्वारा व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

इस प्रकार सत्र 2022–23 में विश्व बैंक पोषित म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के अंतर्गत महाविद्यालय के समग्र विकास हेतु कार्य किया गया।

संयोजक–डॉ. उमेश साकल्ले

विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएँ

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल में शासन की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएं चल रही हैं। अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग को शासन द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। महाविद्यालय में SC, ST तथा OBC के, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में लगभग 1575 छात्र/छात्राएं अध्ययनरत हैं। समय–समय पर शासन के निर्देशानुसार इन विद्यार्थियों को सूचित कर संबंधित पोर्टल पर आवेदन करने हेतु प्रेरित किया जाता है। नवीन एवं नवीनीकृत आवेदन की प्रक्रिया लगभग पूर्ण हो चुकी है। सत्र 2021–22 में महाविद्यालय में SC के 320, ST के 77 तथा OBC के 366 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। ये योजनाएं मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित हैं। मध्यप्रदेश हेल्प लाइन में छात्रवृत्ति न मिलने की अनेक शिकायतें दर्ज होती हैं, पर हमारे महाविद्यालय से ऐसी एक भी शिकायत नहीं की गई है। यह अत्यंत सुखद है। महाविद्यालय स्वाध्यायी कॉलेज का नोडल सेंटर भी है। संबंधित महाविद्यालयों के पात्र विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन करते हैं। कम्प्यूटर में अपलोड डॉक्यूमेंट देखकर सारे आवेदन सत्यापित किए जाते हैं। इस वर्ष हमारा महाविद्यालय निम्नांकित अशासकीय महाविद्यालय का नोडल सेंटर बनाया गया है–

1. बी.एस.एस. कॉलेज
2. सेम कॉलेज
3. महाराजा रंजीत सिंह कॉलेज
4. एन.आर.आई. कॉलेज
5. बोनीफाई कॉलेज
6. क्रिस्ट कॉलेज
7. ट्रूबा कॉलेज
8. कॅरियर कॉलेज
9. कॅरियर लॉ कॉलेज
10. तक्षशिला कॉलेज

महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा अलग–अलग कक्षाओं के छात्रों के आवेदन ऑफलाइन सत्यापित किए जाते हैं। मूलतः सभी विद्यार्थियों से आवेदन ऑनलाइन MPTAAS पर पर करवाए जाते हैं यह प्रक्रिया भी लगभग पूर्ण हो गई है। शासन द्वारा प्रारंभ की गई इन सभी योजनाओं का लाभ छात्रों को प्राप्त हो रहा है।

छात्रवृत्ति प्रभारी – डॉ. सुषमा जादौन

एम.ओ.यू./समन्वय समिति

लोकल से ग्लोबल की ओर अग्रसर होने के उद्देश्य से महाविद्यालय द्वारा विभिन्न शासकीय, अशासकीय संस्थाओं के साथ एम.ओ.यू. किये गये हैं। वर्तमान में 22 संस्थाओं के साथ महाविद्यालय का एम.ओ.यू. है। इन संस्थाओं के साथ मिलकर छात्र हित में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। एम.ओ.यू. संस्थाएं इस प्रकार हैं–

1. स्टेट प्रोजेक्ट डाइरेक्ट्रोरेट (RUSA उच्च शिक्षा विभाग) 2. बायोट्रिक्स प्लान्ट रिसर्च, डेवलपमेंट एवं ट्रेनिंग सेंटर
3. ओरिएंटल कॉलेज ऑफ फार्मेसी 4. म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल
5. गुरुकृपा ऑयल एण्ड फूड, कुलासकलां, सीहोर 6. वाल्मी संस्थान, भोपाल
7. पं. कुंजीलाल दुबे राष्ट्र संसदीय विद्यापीठ 8. सेन्टर फार मॉलिकुलर बायलॉजी रिसर्च
9. एसोसियेशन फार मोटिवेशन ऑफ बायोस्फीयर 10. उच्च शिक्षा विभाग म.प्र., अमेरिकन इंडिया फाउन्डेशन
11. सन्त हिरदाराम कन्या महाविद्यालय, भोपाल 12. न्यूट्रीचार्ज 13. रविन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय
14. बायोन्यूट्रिनेटस प्रा.लि. 15. डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायलॉजी बरकतउल्ला वि.वि., भोपाल
16. डी मेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन, भोपाल, 17. गर्वनमेंट डिविजनल आईटीआई, 18. नवलय
19. धरोहर 20. केरियर कॉलेज, 21 आईएचएम, भोपाल, 22. मिरेकल इन्फारमेशन सर्विसेज प्रा.लि., भोपाल

इन प्रयासों से विभिन्न संस्थानों में महाविद्यालय को पहचान मिली। छात्र छात्राओं में विशेषज्ञ द्वारा दिये व्याख्यानों से ज्ञानवर्धन हुआ। प्रशिक्षण द्वारा प्रायोगिक कौशल का विकास हुआ। उद्यमिता के प्रति जागरुकता में वृद्धि हुई। शैक्षणिक भ्रमण से विभिन्न संस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

प्रभारी – डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव

प्रतिभा किरण योजना

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पत्र क्रमांक एफ–9–1 / 08 / 2– अड़तीस दिनांक 05.01.2008 के तहत गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली शहर की मेधावी छात्राओं को उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के लिये 'प्रतिभा किरण योजना' पूरे मध्यप्रदेश में सत्र 2007–2008 से प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत छात्रा को रूपये 5000 / – (पाँच हजार रूपये) सालाना की आर्थिक मदद दी जाती है। सत्र 2017–18 से यह योजना पूर्णतया ऑनलाइन हो गई है। इसके अनुसार आवेदन स्वीकृति व भुगतान की समस्त कार्यवाही ऑनलाइन ही संपन्न की जा रही है।

योजना हेतु निम्नानुसार पात्रता एवं मापदण्ड निर्धारित किये गये–

1. छात्रा म.प्र. की मूलनिवासी होना चाहिए।
2. गरीबी रेखा के नीचे यापन करने वाली 12वीं का परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होना चाहिए।
3. छात्रा नगरीय क्षेत्र की निवासी होना चाहिए।
4. छात्रा ने जिस सत्र में 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है, उसी सत्र में उसका उच्च शिक्षा में प्रवेश होना चाहिए।
5. योजना नगरीय क्षेत्रों में स्थित शासकीय शिक्षण संस्थाओं, अनुदान प्राप्त अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं तथा विश्वविद्यालयों में लागू होगी।
6. उच्च शिक्षा विभाग के साथ ही इस योजना का लाभ तकनीकी शिक्षा व चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रवेशित छात्राओं को भी प्रदान किया जाता है।
7. मध्यप्रदेश के आदेश क्रमांक 2042 / 897 / आउशि / छा / 2017 भोपाल, दिनाक 20.12.2017 के अनुसार प्रतिभा किरण योजना प्रोत्साहन राशि के रूप में मान्य है। छात्राएं मध्यप्रदेश शासन की अन्य छात्रवृत्तियों के साथ प्रतिभा किरण योजना का लाभ ले सकती हैं।

प्रभारी – डॉ. नीलम चोपड़ा
डॉ. अंशुबाला मिश्रा

मुख्यमंत्री जनकल्याण आवास सहायता योजना

मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदिवासी बालक एवं बालिकाओं को अपने गृह निवास से बाहर महाविद्यालय एवं उच्चस्तर की शिक्षा निरंतर रखने के लिए शासन के आदेश क्र. एफ 12–06 / 2013 / 25–2 / 1860 दिनांक 23.12. 2016 द्वारा आवास सहायता योजना के नियम 2016 जारी किये गये हैं।

पात्रता –

1. ऐसे विद्यार्थी जो कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने के पश्चात् शासकीय एवं मान्यता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय / विश्वविद्यालय अन्य संस्थाओं के स्नातक / स्नातकोत्तर समस्त उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम में नियमित प्रवेशित हों तथा जिनका किसी भी शासकीय छात्रावास में प्रवेश नहीं हुआ हो। ऐसे विद्यार्थी को आवास सहायता की पात्रता अध्ययनरत संस्था के मुख्यालय के आधार पर न होकर किराये पर निवास के मुख्यालय के आधार पर होगी। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर एवं उज्जैन संभागीय मुख्यालयों में रूपये 2000 / – अन्य जिला मुख्यालयों में रूपये 1250 / – तथा तहसील / विकास खण्ड मुख्यालय के रूपये 1000 / – प्रति विद्यार्थी प्रतिमाह की दर से 12 माह के लिए आवास सहायता राशि देय होगी।
2. विद्यार्थी द्वारा पाठ्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि पश्चात् विभागीय स्कॉलरशिप पोर्टल 2.0 पर उपलब्ध आवास सहायता योजना के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करेंगे।

3. ऑनलाइन आवेदन करते समय पूर्व कक्षा उत्तीर्ण की अंकसूची शपथपत्र एवं मकान मालिक का सहमति पत्र / किरायानामा अपलोड करेंगे।

आवास योजना के जरूरी दस्तावेज :–

1. आधार कार्ड
2. अनु.जाति / अनु. जनजाति का सर्टिफिकेट
3. मकानमालिक का एफिडेविट और एग्रीमेंट की कॉपी
4. 10वीं – 12वीं की मार्कशीट
5. आवेदनकर्त्ता के परिवार की आय सालाना 6 लाख या उससे कम होना चाहिये।
6. आवेदनकर्त्ता जिस कक्षा में पढ़ रहा है, उसका प्रमाण पत्र
7. पासपोर्ट साइज फोटो
8. बैंक की जानकारी
9. मोबाइल नंबर

समिति का प्रभाव:–

आवास सहायता योजना की समिति सभी छात्र / छात्राओं से निरंतर संपर्क कर उनकी समस्या का समाधान करती है, जिससे शत प्रतिशत छात्र / छात्राओं को लाभ मिल सके और कोई भी प्रकरण लंबित न रहे।

प्रभारी – श्रीमती शालिनी तिवारी

मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना –

मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2017–2018 से स्नातक स्तर पर मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना लागू की गई। प्रवेश सत्र 2017–18 से योजना अंतर्गत प्रवेशित पात्र विद्यार्थियों की प्रवेश शुल्क की राशि काशनमनी छोड़कर, की प्रतिपूर्ति शासन द्वारा सत्र 2020–21 तक की गई। इसके उपरान्त सत्र 2021–22 से शासन ने प्रवेश शुल्क की राशि के साथ विश्वविद्यालयीन नामांकन शुल्क एवं परीक्षा शुल्क की राशि की प्रतिपूर्ति का लाभ भी विद्यार्थियों को देना प्रारंभ किया।

शैक्षणिक सत्र 2022–23 का विवरण पत्रक

कक्षा	पोर्टल पर प्रदर्शित लाभार्थी	अपात्र विद्यार्थियों की संख्या	लंबित प्रकरण	सत्यापित एवं स्वीकृत प्रकरण	डिस्बर्स राशि लाभ राशि
UG I Year	149	Nil	Nil	149	Rs. 958901
UG II Year/ और III Year	163	Nil	Nil	163	Rs. 1070280

प्रभारी – डॉ.ए.के. महागाये

विभागीय प्रतिवेदन

- **बी. कॉम ट्रेवल टूरिज्म**

इस महाविद्यालय में सत्र 2009–10 से यह पाठ्यक्रम नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। जो मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग से अनुमति प्राप्त एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत इस पाठ्यक्रम का अध्ययन (Elective) चयनित विषय के रूप में कराया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम में 80 विद्यार्थी नियमित अध्ययनरत हैं। वर्तमान सत्र में इन विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण विश्वप्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची में कराया गया। इससे विद्यार्थियों को पर्यटन एवं यात्रा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलने का ज्ञान उपलब्ध कराया। इस पाठ्यक्रम में 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी को उपरोक्त क्षेत्र में रोजगार के साथ ही उच्च शिक्षा के अवसर भी प्रदान होते है बी.कॉम ट्रेवल टूरिज्म उत्तीर्ण कर एम.बी.ए. (टूरिज्म) टूरिस्ट गाइड प्रशिक्षण, एम.टी.एम. एवं एम.टी.ए. में प्रवेश लिया जा सकता है। केन्द्र एवं राज्य सरकार के पर्यटन एवं यात्रा विभाग, ट्रेवल एजेंसियों, पेइंग गेस्ट, मोबाइल फूड वेन, इवेंट मैनेजमेंट, मौलिक लेखन, पर्यटन, पत्रकारिता एवं एकरिंग आदि क्षेत्रों में कॅरियर बनाया जा सकता है। हस्त शिल्प विक्रय, सांस्कृतिक आयोजन, मार्ग सुविधाएं, स्टार्टअप योजना कौशल से रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता करके स्वरोजगार प्राप्त कर सकता है और अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करवा सकता है।

पाठ्यक्रम समन्वयक–श्रीमती चित्रा खरे

- **बी.कॉम. कम्प्यूटर एप्लीकेशन**

स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत जनभागीदारी के माध्यम से संचालित रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम बी.कॉम. कम्प्यूटर एप्लिकेशन महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2006–07 से निरन्तर संचालित है। शैक्षणिक सत्र 2021–22 में इस पाठ्यक्रम में 135 एवं शैक्षणिक सत्र 2022–23 में कुल 163 विद्यार्थी नियमित अध्ययनरत रहे।

प्रवेशित विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय स्टॉफ में कम्प्यूटर स्किल के अधिकाधिक प्रयोग किये जाने के उद्देश्य से विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों जैसे– Resume Designing & Teaching Interview Account of using Tally, E-learning a useful tool, Digital India ETC. पर व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण भी दिया गया। Web Designing, Tally, Rool of 5G Data Animation विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कम्प्यूटर लैब का उपयोग वाणिज्य, विज्ञान एवं कला संकाय की तृतीय वर्ष की कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विषय FC-III कम्प्यूटर जागरूकता (Computer Awareness) का भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर गाइडेंस योजना के अंतर्गत घोषित कैलेण्डर के परिपालन में कम्प्यूटर से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम बी.कॉम. कम्प्यूटर लैब में आयोजित किये जाते हैं। जिसमें सामान्य Word, Excel, Power Point पर Resume बनाना आदि व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम किये जा रहे हैं।

पाठ्यक्रम समन्वयक– डॉ. ए.के. महागाये

- **पी.जी. डिप्लोमा इन टूरिज्म एण्ड होटल मैनेजमेंट**

यह एकवर्षीय नियमित पाठ्यक्रम है जो शैक्षणिक सत्र 2003–04 से इस महाविद्यालय में संचालित है, जिसमें किसी भी विषय का स्नातक विद्यार्थी नियमित प्रवेश की पात्रता रखता है। मध्यप्रदेश में यह एक मात्र शासकीय महाविद्यालय है जहाँ यह पाठ्यक्रम नियमित रूप से संचालित है। इसमें अध्ययन करने के पश्चात् विद्यार्थी टूरिज्म और होटल दोनों क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना सकता है। इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम में भारत का सामाजिक और सांस्कृतिक परिचय, पर्यटन के सिद्धांत और व्यवहार, यातायात और यात्रा एजेन्सी, होटल मेनेजमेंट एवं केटरिंग, टूरिज्म मेनेजमेंट और कम्प्यूटर एप्लिकेशन प्रश्नपत्रों का अध्यापन करवाया जाता है। व्यावहारिक ज्ञान के लिये शैक्षणिक भ्रमण और परियोजना कार्य संबंधी प्रश्न–पत्र भी है।

इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् वैतनिक और स्वरोजगार दोनों क्षेत्रों में विद्यार्थी अपना भविष्य बना सकते हैं, जिसके अंतर्गत केन्द्र/प्रादेशिक पर्यटन विभाग, रेलवे का आई.आर.सी.टी.सी. (IRCTC) विभिन्न ट्रेवल

एजेन्सियों, एयरलाइंस और होटल एवं अन्य आवास संस्थानों में सेवाएं प्रदान करने का अवसर मिलता है। सत्र 2021–22 में दो छात्राओं का अंतर्राष्ट्रीय होटल श्रृंखला की भोपाल इकाई लेक फ्रंट ताज में तथा एक छात्रा का आई.आई.एस.ई.आर. (IISER) में चयन हुआ है। इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर स्थानीय देश एवं विदेशों में भी छात्र–छात्राएं अपना कॅरियर बना रहे हैं।

पाठ्यक्रम समन्वयक– डॉ. आर.के. खजवानियां

- **बी.एससी. बायोटेक्नोलॉजी**

बायोटेक्नोलॉजी भारत और विदेशों में उभरते क्षेत्रों में से एक हैं। पोषण, दवाई, स्वास्थ्य सेवा, फॉरेंसिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी के कुछ क्षेत्र हैं। बायोटेक्नोलॉजी का क्षेत्र व्यापक है और अनुसंधान और इंजीनियरिंग दोनों के क्षेत्र में अवसर प्रदान करता है। खमीर का उपयोग करने से लेकर रक्त जैसे सबूतों की फॉरेंसिक वैज्ञानिकों द्वारा जांच भी इस विषय में की जाती है। जैव प्रौद्योगिकी में कुछ पाठ्यक्रम ऐसे हैं जिनमें व्यवसाय एवं रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं, जैसे– जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी, पोषण और मधुमेह, फॉरेंसिक विज्ञान, कीटाणु विज्ञान, जीव रसायन इत्यादि।

बी.एससी. बॉयोटेक्नोलॉजी इस महाविद्यालय में सत्र 2007–08 से प्रारंभ है। नई शिक्षा नीति में इसे मेजर विषय के रूप में भी चयन किया जा सकता है।

यह एक स्ववित्तीय रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम है। सत्र 2022–23 में बीएससी फाइनल उत्तीर्ण छात्र रणजीत चौहान का रेलवे ग्रुप डी में चयन हुआ है। विभाग द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थानों जैसे एमपीसीएसटी, विंध्य हर्बल, संभावना ट्रस्ट और फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। वर्ष 2022–23 में बायोटेक्नोलॉजी विभाग में सभी तीन वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या 78 है। विद्यार्थियों की विषय में रूचि बढ़ाने हेतु इस सत्र में बायोटेक्नोलॉजी विभाग में तीन अतिथि व्याख्यान हुए। इस कार्यक्रम में दीपक द्विवेदी (साइंटिस्ट) ने दिनांक 5.12.2022 में प्रोसेसिंग एवं क्वालिटी कंट्रोल ऑफ मेडिसिनल प्लांट, दिनांक 20.12.2022 को डॉक्टर अनिल प्रकाश प्राध्यापक माइक्रोबायोलॉजी ने माइक्रो इंटरेक्शन एवं दिनांक 21.12.2022 को डॉ. सुगंधा सिंह प्राध्यापक बायोटेक्नोलॉजी ने रिसेंट एडवांसेस इन बायोटेक्नोलॉजी विषय पर व्याख्यान दिया।

पाठ्यक्रम समन्वयक– डॉ. अनुराधा दुबे

- **बी.एससी. क्लिनिकल न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स**

क्लिनिकल न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स विभाग जन भागीदारी समिति के सहयोग से सत्र 2002–03 में प्रारंभ किया गया। मध्यप्रदेश में हमारा महाविद्यालय एकमात्र ऐसा महाविद्यालय है जहां छात्राओं के साथ ही साथ छात्रों को भी यह विषय अध्ययन हेतु उपलब्ध है। नई शिक्षा नीति में इसे मेजर विषय के रूप में लिये जाने की सुविधा उपलब्ध है। सत्र 2021–22 में स्नातक स्तर पर 30 एवं सत्र 2022–23 में 100 छात्र–छात्राओं में नियमित प्रवेश लिया।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त यह कोर्स जीवन विज्ञान (लाइफ साइंस) विषय के अंतर्गत रखा गया है। इस कोर्स के अध्ययन के पश्चात् छात्रों को बीएससी बायो की डिग्री प्राप्त होती है। 12वीं जीव विज्ञान के छात्र छात्राओं को इस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।

छात्रों के बहुमुखी विकास के लिए विभाग के द्वारा समय–समय पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराई गई। इस कड़ी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 सितंबर 2022 से 30 सितंबर 2022 तक 'अंतर्राष्ट्रीय पोषण माह' मनाया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता कराई गई। जैसे भारतीय पारंपरिक व्यंजन, पोषण जागरूकता के पोस्टर्स एवं विभिन्न पोषण विशेषज्ञ, डाइटिशियन एवं न्यूट्रीशन काउंसलर से व्याख्यान कराए गए। 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस विभाग द्वारा हर वर्ष मनाया जाता है। 2023 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स' के रूप में घोषित किया गया है। अतः दिनांक 7 अप्रैल 2023 को विभाग द्वारा 'इंपॉर्टेंस ऑफ मिलेट्स' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला कराई गई। महाविद्यालय के छात्र एवं स्टाफ के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है। इस वर्ष भी दिनांक 17.1.2023 को छात्र–छात्राआं एवं समस्त स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया एवं उन्हें उत्तम स्वास्थ्य हेतु सलाह प्रदान कराई गई।

समग्र रूप से देखा जाए तो यह वर्ष आयोजनों एवं अकादमिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण रहा एवं छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न आयोजनों एवं अकादमिक कक्षाओं का संचालन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पाठ्यक्रम समन्वयक–डॉ. मीता बादल

- **वाणिज्य संकाय विभाग**

इस महाविद्यालय में स्थापना से ही वाणिज्य स्नातक की कक्षाएं संचालित हो रही है। 1989 में वाणिज्य संकाय में स्नातकोत्तर कक्षाओं का अध्यापन प्रारंभ हुआ है, जो निरंतर जारी है। महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय पी.एचडी. की उपाधी हेतु शोधकार्य की सुविधा उपलब्ध है। वाणिज्य संकाय में अब तक लगभग 25 विद्यार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा चुकी है। वर्तमान में 07 विद्यार्थी शोध कार्य हेतु विश्वविद्यालय में पंजीकृत है। वाणिज्य संकाय में डॉ. संजय जैन (प्रभारी प्राचार्य) एवं डॉ. आर.के. खजवानियां, शोध–निदेशक के रूप में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में पंजीकृत हैं।

वाणिज्य संकाय में जनभागीदारी समिति के माध्यम से तीन रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम बी.कॉम. कम्प्यूटर एप्लिकेशन, बी.कॉम. टूरिज्म एण्ड ट्रेवल मेनेजमेंट तथा पी.जी. डिप्लोमा इन टूरिज्म एण्ड होटल मैनेजमेंट संचालित किये जा रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2022–23 में वाणिज्य संकाय में प्रथम वर्ष में कुल 450 सीटें आवंटित हैं। एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर में 90 सीटें आवंटित की गई हैं जो सत्र 2021–22 की तुलना में 10 सीट अधिक है। यह प्रसन्नता का विषय है कि वाणिज्य की सभी कक्षाओं में विद्यार्थियों का शत–प्रतिशत प्रवेश हो चुका है। बी.कॉम. द्वितीय वर्ष में 363, बी.कॉम. तृतीय वर्ष में 300 तथा एम.कॉम. तृतीय सेमेस्टर में 73 विद्यार्थियों ने सत्र 2022–23 में प्रवेश लिया हैं। वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम वर्ष 2020 एवं 2021 में लगभग 100% रहा है। सत्र 2022 में भी लगभग 90% छात्र–छात्राएं उत्तीर्ण रहे हैं। वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों का कई शासकीय एवं निजी संस्थाओं में प्लेसमेंट हो चुका हैं। कई विद्यार्थी निजी व्यवसायों में भी कार्यरत है। वाणिज्य संकाय के विद्यार्थी एन.सी.सी., एन.एस.एस., क्रीड़ा तथा महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक गतिविधियों में प्रमुख रूप से अपनी सहभागिता करते हैं।

सत्र 2021–22 में वाणिज्य विभाग में ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन 'कोरोना संक्रमण से बचाव / वैक्सीन लगवाने के संबंध में जागरूकता' विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश एवं देश के प्रबुद्ध प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

वाणिज्य संकाय में कुल 06 प्राध्यापकों के पद स्वीकृत हैं, इसमें 03 प्राध्यापक, 01 सहायक प्राध्यापक पदस्थ हैं तथा 01 पद रिक्त है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि महाविद्यालय का वाणिज्य संकाय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

विभागाध्यक्ष – डॉ. राजेश कुमार खजवानियां

- **हिन्दी विभाग**

महाविद्यालय का हिन्दी विभाग अत्यंत समृद्ध और रचनाशील है। वाणिज्य, कला एवं विज्ञान तीनों संकाय में हिन्दी भाषा का और कला संकाय में स्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य का अध्यापन किया जाता है। विभाग द्वारा समय–समय पर साहित्यकारों की जयंती पर साहित्यिक आयोजन किए जाते हैं। विभाग में तीन प्राध्यापक कार्यरत हैं।

इस वर्ष विभाग में प्रेमचंद, तुलसीदास, निराला और मैथिलीशरण गुप्त की जयंतियाँ मनायी गईं। नवाचार के रूप में विभाग में पीएच.डी. उपाधि प्राप्त तथा नवागत शोधार्थियों के मध्य आत्मीय संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें शोध छात्रों के मध्य विचारों का आदान–प्रदान किया गया। डॉ. अंशुबाला मिश्रा संस्कृति विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिखर सम्मान में प्रदत्त पुरस्कार की चयन समिति में दो बार सदस्य रहीं।

22 सितम्बर 2022 को 'हिन्दी में रोजगार की संभावनाएं' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। हिन्दी के प्रो. डॉ. सुधीर शर्मा ने विषय पर रोचक जानकारी दी। 12 दिसम्बर 2022 को हिन्दी विभाग द्वारा 'विज्ञापन लेखन और संपादन कला में रोजगार की संभावनाएं' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान की प्रो. आरती दुबे ने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। 16 फरवरी 2023 को प्रश्न बैंक कार्यशाला का आयोजन

किया गया जिसमें डॉ. आरती दुबे, डॉ. अनुराधा सिंह, डॉ. किरण वट्टी, डॉ. अपर्णा बादल ने स्नातक स्तर पर महत्त्वपूर्ण इकाइयों पर 'प्रश्न बैंक' बनाकर प्रस्तुत किए। हिन्दी विभाग साहित्यिक, अकादमिक और बौद्धिक कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय सहभागिता का निर्वहन करता रहा है।

विभागाध्यक्ष – डॉ. अंशुबाला मिश्रा

- **राजनीति विज्ञान विभाग**

महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर स्तर तक की दोनों ही कक्षाएं संचालित हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में समसामायिक व उपयोगी विषय होने के कारण सर्वाधिक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में राजनीति विज्ञान में प्रवेशित हैं। स्नातक स्तर पर 440 एवं स्नातकोत्तर में 100 विद्यार्थी हैं, विभाग में 2 पद ही स्वीकृत हैं। अध्यापन कार्य के अतिरिक्त विभाग शोध केन्द्र भी है। डॉ. अनुपमा यादव बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में पंजीकृत विषय विशेषज्ञ है, जिनके निर्देशन में 8 शोधार्थी पंजीकृत है।

राजनीति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक द्वय डॉ. गरिमा जाउलकर, डॉ. अनुपमा यादव ने आजादी के अमृतकाल में पी.जी. के विद्यार्थियों से शोध पत्र लेखन करवा के 'आजादी का युवा स्मरण' पुस्तक का प्रकाशन करवाया एवं आजादी की संघर्ष यात्रा एवं क्षेत्रीय स्वतंत्रता सेनानियों एवं क्रांतिकारियों पर चित्रमय प्रदर्शनी का आयोजन किया, जो विभाग की बड़ी उपलब्धि है।

08.08.2022 को 'स्वतंत्रता आन्दोलन एवं तिरंगा एक पुण्य स्मरण' विषय पर एक दिवसीय विभागीय संगोष्ठी आयोजित की जिसमें विद्यार्थियों ने तिरंगे के इतिहास, महत्त्व, फहराने के नियमों की विस्तृत जानकारी दी।

10 दिसम्बर को 'लैंगिक समानता एवं महिला अधिकार' विषय पर स्टेट प्रोग्राम मैनेजर महिला एवं बाल विकास विभाग की अरघा तिवारी द्वारा समसामयिक व्याख्यान दिया गया, साथ ही 'बाल अधिकार एवं संरक्षण' विषय की वृहत जानकारी डॉ. सीता सोनी प्राध्यापक राजनीति विभाग, गैरतगंज महाविद्यालय द्वारा दी गई।

'राजनीति विज्ञान का अन्य विषयों से अन्तः अनुशासनात्मक संबंध' विषय पर साप्ताहिक व्याख्यानमाला कार्यक्रम विभाग द्वारा 26.12.2022 से 30.12.2022 तक किया गया, जिसमें राजनीति विज्ञान विषय के अलावा समाज शास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान के विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों से विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

24 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित ''संसदीय विषयों पर आधारित प्रदर्शनी में डॉ. अनुपमा यादव के मार्गदर्शन में बाबूलाल गौर महाविद्यालय भेल ने 'प्रथम आम चुनाव 1952' विषय पर आधारित प्रदर्शनी में तृतीय स्थान प्राप्त कर 6000 रूपये व ट्राफी पुरस्कार के रूप में प्राप्त की।

15 फरवरी 203 को ही राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ द्वारा आयोजित संसदीय विषयों से संबंधित 'प्रश्न मंच' प्रतियोगिता में विभाग के M.A. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थी नीतेश गोल्हानी, सूरज राठौर, आदित्य सरेयाम, प्रियंका राठौर ने विश्वविद्यालयीन/महाविद्यालयीन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर 9000 रुपये पुरस्कार राशि जीती, महाविद्यालय की टीम को राजगुरू नाम दिया गया था।

विभाग ने 4.5.23 से 19.5.23 तक विद्यार्थियों के लिए उपयोगी महत्त्वपूर्ण विषय 'उच्च शिक्षाः शोध, शिक्षण और कॅरियर पर 30 घंटे के सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया। सत्र 2022–23 में विभाग के 3 विद्यार्थियों मनीषा तोमर, अक्षित सक्सेना, अक्षय तिवारी ने नेट जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण कर राजनीति विज्ञान विभाग को गौरवान्वित किया।

विभागाध्यक्ष – डॉ. गरिमा जाउलकर

- **अर्थशास्त्र विभाग**

महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में वर्तमान में तीन प्राध्यापक एवं एक सहायक प्राध्यापक कार्यरत हैं। अर्थशास्त्र विभाग में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर कक्षाएं आयोजित होती हैं। इस वर्ष स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा Micro Teaching कराई गई। विभाग द्वारा IQAC एवं MPHEQIP's Academic initiative के अंतर्गत 8 व्याख्यानों का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों से आमंत्रित विषय विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यानों से छात्रों को

लाभान्वित किया। विभाग के प्राध्यापक भी समय समय पर अन्य महाविद्यालयों में Project Viva एवं Expert lecture हेतु अपनी सेवाएं देते हैं। इस वर्ष विभाग के द्वारा a "Workshop on question bank with special reference to NEP2020" आयोजित की गई। 'कॉलेज चलो अभियान' में विभाग की सक्रिय भागीदारी रही। द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी भागीदारी की। विभाग के सभी सदस्य प्रवेश कार्य एवं विश्वविद्यालयीन परीक्षा कार्यों में किसी न किसी रूप में कार्य करते हैं। इस वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत गतिविधियों का आयोजन भी विभाग के प्राध्यापकों द्वारा कराया गया।

विभागाध्यक्ष – डॉ. सीमा श्रीवास्तव

- **English Department**

English department is an integral part of this college from the date of establishment i.e. 1984 At present only two posts of Assistant Professors are sanctioned and both are filled.

The department organized a guest lecture under IQAC & MPHEQIP'S Acdeme initiative on 17.11.2022 on Enterpreneurship Development programe shri Sudhir Jain, Vice president, Andhra Pradesh Industrial and Technical Consultancy Organization Limitd, Hyderabad was the resource person who delivered a very informative and valuable lecture on the topic. Students of all streams attended the programme. A lecture on English communication skills was organized on 8.12.22 Dr. Aprajita Sharma, Professor of English, Govt. Hamidia Arts and Commerce College, Bhopal was the resource person who cleared the concepts of English language and grammer and gave tips how to improve communication skills.

A workshop on Question Bank was also organized on 20.2.2022 under IQAC. The department invited Dr. Manjari Agnihotri, Professor of English, Govt. Girls college Sehore. Dr. Lata Afridi, Professor of English, Govt. MLB College, Bhopal and Dr. Baban Sekey, Professor of English, Govt. College Berasia, Bhopal prepared question bank for the student of English Literature. The department solves all types of problem of the students.

विभागाध्यक्ष – डॉ. इलारानी श्रीवास्तव

- **समाजशास्त्र विभाग**

बाबूलाल गौर शासकीय पी.जी. महाविद्यालय भेल में स्थापना वर्ष से ही समाजशास्त्र विषय संचालित है। विभाग में तीन प्राध्यापक कार्यरत हैं। विषय के साथ–साथ आधार पाठ्यक्रम के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण वाणिज्य, कला, विज्ञान तीनों संकायों में, साथ ही वैकल्पिक विषय के रूप में कला संकाय में व्यक्तित्व विकास और उद्यमिता विकास का अध्यापन कराया जाता है।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा समय–समय पर सामाजिक समस्याओं से संबंधित गतिविधियों पर व्याख्यान कराकर छात्रों को जागरूक किया जाता है।

दिनांक 26.7.2022 को विभाग द्वारा 'विश्व में पर्यावरण की वस्तुस्थिति' पर डॉ. अलर्क सक्सेना, सहायक प्राध्यापक स्कूल ऑफ फारेस्ट्री नार्थन एरिजोना विश्वविद्यालय प्लेगस्टॉफ एरिजोना (USA) के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र छात्राओं ने सहभागिता की।

विभाग द्वारा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना एवं आई.क्यू.ए.सी. के अंतर्गत दिनांक 11.11.2022 को डॉ. माधवीलता दुबे, प्राध्यापक समाजशास्त्र, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल द्वारा महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की।

दिनांक 23.12.2022 को डॉ. संतोष कुमार भदौरिया, प्राध्यापक समाजशास्त्र शासकीय राजा भोज स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डीदीप (रायसेन) द्वारा 'मद्यपान एवं मादक द्रव व्यसन का समाजशास्त्र पर प्रभाव' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापकगण ने सहभागिता की।

दिनांक 20 फरवरी 2023 को 'Questions Bank With Special Reference to NEP 2020' एक वर्कशॉप का

आयोजन किया गया जिसमें भोपाल एवं सीहोर के प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया और बी.ए. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम से प्रश्न बैंक तैयार किया गया। जो कला संकाय के छात्रों के लिए बहुत उपयोगी एवं महत्त्वपूर्ण होंगे।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा छात्र–छात्राओं, स्टॉफ एवं स्थानीय रहवासियों के लिए एक योग्य सलाहकार द्वारा निःशुल्क परामर्श केन्द्र महाविद्यालय में संचालित किया जा रहा है।

विभागाध्यक्ष – डॉ. अर्चना शर्मा

- **गणित विभाग**

गणित विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कुल 430 सीटें हैं। वर्ष 2021–22 में गणित विभाग के छात्र एवं छात्राओं का परीक्षा परिणाम 91% रहा है। विभाग के द्वारा सत्र की शुरूआत में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ओरियंटेशन प्रोग्राम के साथ ही साथ अन्य वर्ष के विद्यार्थियों हेतु ब्रिज क्लासेस का आयोजन किया गया। इस सत्र में विभाग द्वारा दो सर्टिफिकेट कोर्स में चलाए जा रहे हैं। जिसमें न केवल विभाग के बल्कि अन्य विभागों के विद्यार्थियों द्वारा भी इन कोर्स पंजीकरण किया गया।

आईक्यूएसी एवं एमपीएचइक्यूआईपी के दिशा निर्देशन में विभाग द्वारा Value of mathematics, sequence and series, ICT in mathematics, mathematical foundation of computer science, application of mathematics daily life, contribution of Ramanujan in mathematics, MATLAB for scientific computation विषयों पर 8 व्याख्यानों का आयोजन किया गया। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बीएससी प्रथम वर्ष के मेजर एवं माइनर पेपर पर प्रश्न बैंक बनवाने हेतु दिनांक 20 फरवरी 2023 को वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

रामानुजन जयंती के अवसर पर विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया प्रथम दिवस 21 दिसंबर 2022 को दैनिक दिनचर्या में 'गणित का महत्त्व' विषय पर निबंध प्रतियोगिता, 'अंकों की दुनिया' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता एवं गणित विषय पर कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन 22 दिसम्बर 2022 को बीएससी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा 'दैनिक जीवन में गणित का महत्त्व एवं भारतीय गणितज्ञों का योगदान' विषय पर पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। साथ ही 'रामानुजन का गणित में योगदान' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. प्रकाश वरतूनिया जी चांसलर बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी लखनऊ एवं डॉ. अनिल राजपूत उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश को विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

एम.एससी. गणित चतुर्थ सेम की छात्रा प्रियंका राठौर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रचार प्रसार हेतु आयोजित संभाग स्तरीय कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, राज्य स्तरीय प्रश्न मंच में द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में संसदीय विषयों पर आयोजित प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम राजगुरू की सदस्य रही। इस टीम को पुरस्कार स्वरूप 9000 रूपये प्राप्त हुए।

विज्ञान दिवस पर साइंस क्लब द्वारा आयोजित मॉडल प्रतियोगिता में विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वर्किंग एवं नॉन वर्किंग मॉडल का प्रदर्शन किया गया। इसी के साथ एनएसएस एवं एनसीसी के कार्यक्रम में गणित विभाग के छात्र–छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। स्वयं पोर्टल पर यू जी एवं पी जी के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपना रजिस्ट्रेशन करवाया।

विभागाध्यक्ष – डॉ. अर्चना जैन

- **वनस्पतिशास्त्र विभाग**

वनस्पतिशास्त्र प्रकृति सौंदर्य का विज्ञान है। इस विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित है, जिसमें स्नातक स्तर पर लगभग 200 एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 100 विद्यार्थी पंजीकृत है। विभाग में सुव्यवस्थित प्रयोगशाला है। जिसमें सभी आवश्यक उपकरण पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है। विभाग में दो वरिष्ठ प्राध्यापक, एक प्रयोगशाला तकनीशियन एवं एक प्रयोगशाला सहायक कार्यरत है। विद्यार्थियों को संबंधित विषय के अध्ययन अध्यापन के साथ–साथ उच्च अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु उत्कृष्ट संस्थानों का भ्रमण भी कराया जाता है। अकादमिक वर्ष 2022–23 में स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को Educational Tour पर Bionutrient एवं L & M Bakers जोकि

मंडीदीप में स्थित है, भ्रमण कराया गया।

वनस्पति विज्ञान में सुधार की चुनौतियों की गहरी समझ विकसित करने के लिए हम अपने पाठ्यक्रम के भीतर अतिथि व्याख्यान, सेमिनार और अन्य गतिविधियों का आयोजन भी करते हैं।

इस सत्र 2022–23 में वनस्पतिशास्त्र विभाग में 8 व्याख्यान हुए हैं। विभाग द्वारा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना एवं आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत दिनांक 11.11.2022 को डॉ. माधवीलता दुबे, प्राध्यापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल द्वारा ग्लोबल वार्मिंग पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिनांक 22.11.2022 को डॉ. प्रभात जैन, डायरेक्टर स्कॅन लैब द्वारा स्पेक्ट्रोफोटोमीटर की उपयोगिता पर व्याख्यान दिया गया जिसमें सभी छात्र/छात्राओं ने सहभागिता की। इसी क्रम में दिनांक 26.11.2022 को डॉ. मयंक तेनगुरिया, डायरेक्टर Linence lab ने PCR : A molcular Biological technique पर विस्तृत जानकारी दी। दिनांक 28.12.2022 को डॉ. सरिता करोले, प्राध्यापक फार्मेसी ने Extraction & Importance of Medicianl plant पर व्याख्यान दिया। दिनांक 05.12.2022 को डॉ. दीपक द्विवेदी Scientist, Minor Forest Produce Processing, Van Parisar, Barkheda, Bhopal द्वारा उपयोगी जानकारी दी गई। दिनांक 16.12.2022 को डॉ. हितेन्द्रराम, अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल ने 'वनस्पति विज्ञान का महत्त्व और आत्मनिर्भरता की संभावनाएं' विषय पर महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। दिनांक 20.12.2022 को डॉ. अनिल प्रकाश, विभागाध्यक्ष माइक्रोबायोलॉजी बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल ने Plant microbes Interaction पर व्याख्यान दिया। इसी प्रकार दिनांक 20 फरवरी 2023 को Question Bank with Special Reference to NEP 2020 पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें सीहोर, ओबेदुल्लागंज एवं भोपाल के प्राध्यापकों ने सहभागिता की। दिनांक 21.12. 2022 को डॉ. सुगंधा सिंह, प्राध्यापक बायोटेक्नोलॉजी द्वारा Recent advances in Biotechnology विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

नियमित शिक्षण और व्यावहारिक गतिविधियों को कराने के लिए कक्ष और प्रयोगशालाओं में आवश्यक फर्नीचर उपलब्ध है। आधुनिक पद्धति से शिक्षण कार्य हेतु विभाग में स्मार्ट बोर्ड और प्रोजेक्ट भी उपलब्ध है। विभाग के योग्य और समर्पित संकाय सदस्य छात्रों की सहायता के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

विद्यार्थियों के लिए विभाग में पुस्तकालय भी उपलब्ध है, जिसमें लगभग 567 पुस्तकें हैं।

विभागाध्यक्ष – डॉ. अनुराधा दुबे

- **रसायन शास्त्र विभाग**

रसायन शास्त्र में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम संचालित हैं जिसमें गणित, बायो, बायोटेक एवं CND विषयों में लगभग 500 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। विभाग में सुव्यवस्थित प्रयोगशाला है, जिसमें पर्याप्त संख्या में रसायन एवं उपकरण है। विभाग में दो वरिष्ठ प्राध्यापक एवं एक प्रयोगशाला तकनीशियन और एक प्रयोगशाला परिचारक कार्यरत है। विद्यार्थियों को विषय के अध्ययन अध्यापन के साथ–साथ उच्च अध्ययन हेतु अच्छे संस्थानों में प्रवेश के लिए प्रेरित किया जाता है और रोजगार हेतु विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए मार्गदर्शन दिया जाता है। यहां से अध्ययन के पश्चात् कई विद्यार्थियों का चयन उच्च अध्ययन हेतु प्रदेश एवं देश के शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों में होता है।

विभाग की प्राध्यापक डॉक्टर नीलम चोपड़ा के मार्गदर्शन में शोध विद्यार्थी श्रीमती उषा रघुवंशी ने विषय 'जैविक खेती के प्रयोग से हरी पत्तेदार सब्जियां पालक व मैथी में भारी धातुओं के संचय से उत्पादन एवं हानिकारक प्रभावों का अध्ययन' पर शोध ग्रंथ जमा किया है।

मध्यप्रदेश के सभी महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु प्रवेश नियम एवं मार्गदर्शी सिद्धांत एकेडमिक कैलेंडर एवं ऑनलाइन प्रवेश समय सारिणी तैयार करने हेतु कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग द्वारा गठित समिति के सदस्य के रूप में डॉक्टर नीलम चोपड़ा सतत तीन सत्रों से कार्यरत है। विभाग के द्वारा NEP के सिलेबस अनुसार प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को शासकीय आईटीआई में इंटर्नशिप के द्वारा विभिन्न ट्रेड में ट्रेनिंग दिलवाई गई है।

IQAC के तत्वावधान में आयोजित **workshop on question bank with special reference to NEP 2020** में विभाग के द्वारा बीएससी प्रथम वर्ष के **IT & 2T** पेपर के प्रश्न पत्र बनवाए गए और उन्हें एकत्र कर प्रश्न बैंक पुस्तक के रूप में तैयार किया।

विभाग के प्राध्यापकों द्वारा IQAC के तत्त्वावधान में अकादमिक उत्कृष्टता के अंतर्गत दो व्याख्यान का आयोजन विषय विशेषज्ञों द्वारा कराया गया। विभाग के प्राध्यापक समय–समय पर प्रायोगिक परीक्षा कार्य प्रोजेक्ट वायवा हेतु विषय विशेषज्ञ के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। विद्यार्थियों के सीसीई, आंतरिक मूल्यांकन कई विधाओं के द्वारा संपन्न कराए जाते हैं।

इस वर्ष विभाग के प्राध्यापकों ने आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग कार्यालय द्वारा आयोजित ई–कंटेंट डेवलपमेंट पर आधारित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी की। तत्पश्चात् विषय से संबंधित ई–कंटेंट की ऑडियो विजुअल पाठ्यक्रम सामग्री का निर्माण कर विभाग को प्रस्तुत किया। भोपाल के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित आठवां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के अंतर्गत फेस टू फेस विद न्यू फ्रंटियर्स इन साइंस में विज्ञान के विद्यार्थियों को भ्रमण कराया । इस महोत्सव के अंतर्गत पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग एवं विज्ञान विभाग भारती द्वारा आयोजित कार्यक्रम से विद्यार्थी वैज्ञानिक दृष्टि से प्रभावित एवं लाभान्वित हुए। विज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रदर्शनों के माध्यम से नई–नई तकनीकी जानकारी प्राप्त हुई।

रयासन शास्त्र विभाग में प्राध्यापकों द्वारा केवल विषय की जानकारी देना ही नहीं अपितु उन्हें अनुशासनात्मक तरीके से व्यवहार करना, समय का पालन करना, निष्कपट, समर्पण, कठिन परिश्रम, सत्य निष्ठा, ईमानदारी, अपने व्यक्तित्व का विकास करना, टीमवर्क लिए नेतृत्व प्रदान करना, अपने साथियों के प्रति मानवीय मूल्यों के लिए सचेत रहना, वरिष्ठ जनों का सम्मान करना आदि की शिक्षा भी प्रदान की जाती है। जिससे वे समाज के उत्तम नागरिक बन सकें।

विभागाध्यक्ष – डॉ. अंजना अग्रवाल

- **भौतिक शास्त्र विभाग**

महाविद्यालय में भौतिक शास्त्र विभाग में स्नातक स्तर की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। बी.एस.सी. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में लगभग 200 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

वर्तमान सत्र में म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता परियोजनांतर्गत अकादमिक उत्कृष्टता गतिविधि के रूप में अकादमिक विशेषज्ञों को आमंत्रित कर Energy - Requirement Problem and Solution (By Dr. B.K. Sinha) एवं Journey of a Star (By Dr. Seema Hardikar) विषय पर व्याख्यान आयोजित किए गए। दिनांक 20.02.2023 को IQAC के मार्गदर्शन में बी. एस.सी. प्रथम वर्ष के भौतिक विषय के प्रश्न बैंक निर्माण हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को आमंत्रित कर प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया।

महाविद्यालय के नवीन भवन में भौतिक शास्त्र की सुव्यवस्थित प्रयोगशाला है। उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन की प्रयोगशाला उन्नयन परियोजना एवं विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत प्राप्त फंड से महाविद्यालय प्रशासन द्वारा नवीन उपकरणों एवं फर्नीचर का क्रय कर प्रयोगशाला का उन्नयन किया गया है।

विद्यार्थियों को महाविद्यालय में संपन्न होने वाली विभिन्न शैक्षणेत्तर गतिविधियों यथा साइंस क्लब, शैक्षणेत्तर टूर, सांस्कृतिक गतिविधियों इत्यादि में सहभागिता हेतु भी प्रोत्साहित किया जाता है एवं समय–समय पर उचित मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाता है।

विभागाध्यक्ष – डॉ. उमेश कुमार साकल्ले

- **प्राणी विज्ञान विभाग**

महाविद्यालय में भेल, प्राणी विज्ञान विभाग में स्नातक स्तर में प्राणी विज्ञान विषय के साथ विद्यार्थी तीन समूह 1. बी. एससी. बायो समूह, बी.एससी. बायोटेक समूह एवं बी.एससी. सीएनडी समूह में स्नातक की उपाधि प्राप्त करते हैं।

उपर्युक्त कक्षाओं में सत्र 2022–23 में प्राणी विज्ञान विषय में कुल 282 विद्यार्थी अध्यनरत हैं। नई शिक्षा नीति को लागू हुए दूसरा वर्ष है, इसके तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बी.एससी. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में विद्यार्थियों द्वारा प्राणी विज्ञान विषय को मेजर विषय के रूप में भी लिया गया है।

विभाग में सुव्यवस्थित प्रयोगशाला है जिसमें प्रयोगशाला उन्नयन, रूसा, विश्व बैंक की सहायता से विषय से संबंधित उन्नत स्तर के उपकरण उपलब्ध हैं। प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा अतिथि विद्वान व्याख्यान माला के अंतर्गत दिनांक 04 मार्च, 2022 को Dr. Brijesh Namdeo, Consultant (Enviro) Association For Motivation of Biosphere

And Environment Revolution (AMBER), Bhopal द्वारा वर्मीकम्पोस्टिंग विषय पर अतिथि व्याख्यान करवाया गया। इसी शृंखला में दिनांक 28 दिसम्बर 2022 को डॉ. कृपाल सिंह वर्मा, असिस्टेंट डायरेक्टर हॉर्टिकल्चर मध्यप्रदेश टूरिज्म, भोपाल द्वारा Health Security and Prosperity through Nutritional Organic Kitchen Garden विषय पर व्याख्यान दिया गया एवं दिनांक 13 जनवरी 2023 को Dr. Brijesh Namdeo Consultant (Enviro) (EMBER), Bhopal द्वारा 'वर्तमान परिवेश में डेरी उद्योग एवं मधुमक्खी पालन की संभावना' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विज्ञान विषय के विद्यार्थी लाभान्वित हुए। इन व्याख्यानों के द्वारा विद्यार्थियों को विषय से संबंधित इंटर्नशिप करने में बहुत सहायता मिली।

विभाग द्वारा विद्यार्थियों को विषय के अध्ययन अध्यापन के साथ–साथ उच्च अध्ययन हेतु अच्छे संस्थानों में प्रवेश के लिए प्रेरित किया जाता हैं तथा रोजगार हेतु विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए मार्ग दर्शन दिया जाता है। इस तरह महाविद्यालय में प्राणी विज्ञान विषय के विद्यार्थियों द्वारा बहुआयामी विधाओं में सहभागिता कर अपने भविष्य का निर्माण सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

विभागाध्यक्ष – डॉ. चारूलता राठौड़

- **पुस्तकालय विभाग**

महाविद्यालय के पुस्तकालय में वर्तमान में कुल 29269 पुस्तकें हैं जिन्हें शासकीय मद जनभागीदारी मद बुक बैंक योजना तथा यू.जी.सी. मद द्वारा क्रय किया गया हैं। जिनमें कला, वाणिज्य तथा विज्ञान संकाय की पुस्तकें शामिल है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर वाणिज्य विषय में 7581, भौतिक विज्ञान में 1420, रसायन विज्ञान में 1748, वनस्पति विज्ञान में 1907, जन्तु विज्ञान में 1533, गणित में 1961, अर्थशास्त्र में 2290, समाजशास्त्र में 2388, राजनीति विज्ञान में 2688, हिन्दी साहित्य में 1453, अंग्रेजी साहित्य में 745, आधार पाठ्यक्रम में 2725 एवं संदर्भ व अन्य विषय की 830 पुस्तकें उपलब्ध है। संदर्भ ग्रन्थों में इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका डिक्शनरी थिसोरस आदि भी सम्मिलित है। पुस्तकालय में मँगाए जाने वाले जर्नल्स/पत्रिकाएं– (1) Indian Journal of Experiment Biology (2) प्रगति विकास और आशा सीएसआईआर समाचार (3) Indian Journal of Finance (Scopus) (4) Prabandhan Indian Journal of Management (5) Indian Journal of Marketing (Scopus) पत्रिकाएं– (1) Career 360 (2) समकालीन साहित्य समाचार (3) रचना पुस्तकालय में मंगाये जाने वाले दैनिक समाचार पत्र (1) दैनिक भास्कर (2) दैनिक जागरण (3) राज एक्सप्रेस

(4) नवदुनिया (5) पत्रिका (6) द टाइम्स ऑफ इंडिया

पुस्तकालय आटोमेशन

कार्यालय, आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार महाविद्यालय पुस्तकालय को पूर्ण रूप से 'टर्नकी' आधार पर आटोमेटिड किया गया है। वर्तमान में 28331 पुस्तकों की SOUL Software के माध्यम से पुस्तकों की डाटा एन्ट्री कर आटोमेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, ताकि विद्यार्थियों एवं स्टॉफ को पुस्तकालय में उपलब्ध संबंधित विषय की पुस्तकों की जानकारी शीघ्रता से प्राप्त हो सकेगी तथा पुस्तकों के लेन–देन के परम्परागत तरीके समाप्त कर म.प्र. शासन के आदेशानुसार ई–ग्रंथालय के माध्यम से पेपरलेस तरीके से पुस्तकों का लेन–देन किया जा सकेगा।

ई–लाइब्रेरी सुविधा

महाविद्यालय के सर्वसुविधा युक्त कक्ष में ई–लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध है, वर्तमान में स्नातक स्तर की विभिन्न विषयों की ई–पुस्तकें उपलब्ध हैं। आईडी एवं पासवर्ड के द्वारा पुस्तक ओपन कर विद्यार्थी/शिक्षक लाभान्वित हो रहे हैं। भविष्य में म.प्र. शासन द्वारा ई–ग्रंथालय के माध्यम से विभिन्न विषयों की स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की ई–पुस्तकें, ई–जर्नल्स उपलब्ध करवाने की योजना है।

हितग्राही मूलक योजना

शासन द्वारा वर्ष 2012–13 से हितग्राही मूलक योजना का आरंभ हुआ है। जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय में अध्ययनरत अनूसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें एवं स्टेशनरी वितरित कर लाभान्वित किया जाता है। सत्र 2022–23 में 285 अनुसूचित जाति और 172 अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तक एवं स्टेशनरी वितरित की गई।

पुस्तकालयाध्यक्ष – डॉ.पी.एन. राज

शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग

महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग द्वारा विद्यार्थियों की महाविद्यालय स्तर, जिला स्तर, सम्भाग स्तर एवं राज्य स्तर पर निम्नलिखित खेलों में भागीदारी की गई। कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर विविध खेलों में भाग लिया जिनमें प्रमुख नाम निम्न अनुसार है– खुशी यादव–क्रिकेट (कप्तान म.प्र. क्रिकेट दल), वर्षा चंद्रवंशी–बेस बॉल, तारकेशवरी साहू – बेस बॉल, अर्जुन कुमार –जूडो (खेलो इंडिया यूथ गेम्स), वीर भान सिंह–कुश्ती, साक्षी उइके–सॉफ्ट बाल, वेदांत भारद्वाज – शतरंज, गिरीश महाजन – सॉफ्ट बॉल, अनुज कुशवाह–एथलेटिक्स, अहद सिद्दिकी–सॉफ्ट बॉल, कृपाल बंसल – सॉफ्ट बॉल, जतिन नागर – सॉफ्ट बॉल

क्रीड़ा अधिकारी – चन्द्रशेखर धाकड़

- **एन सी सी**

महाविद्यालय के विद्यार्थियों में एकता, अनुशासन, नेतृत्व गुण, धर्म निरपेक्षता, स्पोर्टमेनशिप, निःस्वार्थ सेवाभाव विकसित करने के उद्देश्य से दिनांक 14.9.2012 को महाविद्यालय में एन.सी.सी. (राष्ट्रीय कैडेट कोर) प्रारंभ की गई। 4MPB की आर्मी विंग के अंतर्गत इस सीनियर इकाई में कुल 53 सीट्स हैं। वर्ष 2022–23 में 53 में से 16 छात्राएं (SW) एवं (SD) छात्र हैं।

प्रथम वर्ष एनरोलमेंट

दिनांक 26 अगस्त 2022 को एनसीसी प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों को चुनने के लिए 4MPB भोपाल से PI स्टाफ को आमंत्रित किया गया। इस हेतु महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभागिता प्रदर्शित की। फिजिकल एवं रिटेन एग्जाम के पश्चात् 19 छात्र (SD) एवं 08 छात्राओं का (SW) प्रथम वर्ष हेतु चयन किया गया।

कार्यक्रम

दिनांक 5.8.2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत कैडेट्स द्वारा रैली, वृक्षारोपण के आयोजन के साथ–साथ श्रमदान किया गया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में दिनांक 20अगस्त 2022 अपराह्न 3.00 बजे से यूपीएससी से चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह 'सफलता के मंत्र में' NCC के कैडेट की सहभागिता रही। मे. ध्यानचंद की स्मृति में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 29.8.2022 को Strength Building Program का आयोजन खेल विभाग के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में एनसीसी कैडेट्स की सहभागिता रही। नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय की NCC Unit के द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जो की निम्नलिखित है–

दिनांक 1.10.2022 को 'एंटी ड्रग मूवमेंट' विषय पर स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'द वर्ल्ड ऑफ गांधीजी' विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नशे के दुष्परिणामों से अवगत करते हुए युवाओं को नशे की लत से दूर रहने का सन्देश देते हुए रैली का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के समीप गांधी चौक पर जाकर NCC Cadets द्वारा गांधी जी की प्रतिमा की साफ सफाई की गई। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा नशामुक्त अभियान का शुभारंभ किया गया जिसमें NCC कैडेट्स की सहभागिता रही। दिनांक 31.10.2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में NCC कैडेट्स हेतु परेड, दौड़ एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी के साथ मिन्टो हॉल में सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती कार्यक्रम में भी कैडेट्स की उपस्थिति रही। MPHEQIP एवं IQAC के तत्त्वावधान में NCC द्वारा दिनांक 16 से 30 नवम्बर 2022 तक छात्राओं हेतु द्वि साप्ताहिक Self-defence training program का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुश्री वर्षा सोनाने (राष्ट्रीय जूडो खिलाड़ी) के द्वारा महाविद्यालय की 50 छात्राओं को आत्मसुरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को वार्म अप, स्ट्रेचिंग, रनिंग जम्पिंग के साथ विभिन्न प्रहारों की स्थिति में आत्मसुरक्षा कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर एनसीसी, एएनओ ले. आराधना धुर्वे, शासकीय नवीन महाविद्यालय भोपाल एवं सूबेदार सीमा तिवारी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया एवं उनके करकमलों द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। 9 दिसम्बर 2022 को एनसीसी कैडेट्स द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। MPHEQIP एवं IQAC के तत्वावधान में महाविद्यालय की NCC यूनिट द्वारा 'नई शिक्षा नीति में एनसीसी की चुनौतियां एवं अवसर' विषय पर दिनांक 17 एवं 18 मार्च 23 को दो दिवसीय प्रशिक्षण

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें माधव साइंस कॉलेज उज्जैन से पूर्व कैप्टन डॉ डी.पी. चतुर्वेदी एवं एम.वी.एम. कॉलेज भोपाल से मेजर डॉ महेश चन्द्र दुबे को विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। 26 दिसम्बर 2022 को मध्य प्रदेश शिखर खेल अलंकरण समारोह में सहभागिता रही। राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में कैडेट्स हेतु 'राष्ट्र के निर्माण में युवाओं का योगदान' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 25 जनवरी 2023 को SSB सिलेक्शन बोर्ड से कर्नल संदीप के द्वारा कैडेट्स को SSB परीक्षा से संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारी से अवगत करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया गया । साथ ही ऑनलाइन प्लेटफार्म वेबेक्स के माध्यम से कैडेट्स द्वारा वीर गाथा कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। Ministry of Environment Forest and climate change, Government of India द्वारा Lifestyle for the Environment Pledge कैंपियन प्रोग्राम में कैडेट्स की सहभागिता रही। Ministry of Defence द्वारा आयोजित पुनीत सागर अभियान के अंतर्गत कैडेट्स द्वारा विभिन्न जलाशयों की सफाई अभियान में भागीदारी रही।

उपलब्धियाँ

1. डी.जी., एन.सी.सी. से Rear Admiral Puneet Chandra, VSM, ADG(A) का दिनांक 21 दिसंबर 2022 को आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया जिसमें महाविद्यालय के सीपीएल सूर्य प्रताप सिंह, कैडेट दिव्यांश बहमोरे, कैडेट सोम सिंह शाक्य एवं कैटेड राहुल शर्मा की सहभागिता रहीं।
2. डी.जी. एन.सी.सी. से एल.जी. गुरबिर्पल सिंह, AVSM, VSM का दिनांक 2 मार्च 2023 को भोपाल आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया जिसमें महाविद्यालय के सीपीएल सूर्य प्रताप सिंह, कैडेट दिव्यांश बहमोरे, कैडेट सोम सिंह शाक्य, कैडेट कृपाल बंसल, कैडेट निखिल शर्मा एवं कैडेट राहुल शर्मा की सहभागिता रही।
3. 12 कैडेट्स की 26 जनवरी 2023 पर लाल परेड ग्राउंड में आयोजित की जाने वाली परेड में सहभागिता रही।
4. IGC-PRE-RDC-1 रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए सीपीएल सूर्य प्रताप सिंह चयनित किये गये।

कैम्प

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से संबद्ध बटालियन द्वारा समय–समय पर कैम्प आयोजित किये जाते हैं, जिसमें CATC (Combined Annual Training Camp), NIC (National Integration Camp), Trekking Camp, Summer Camp, Army Attachment Camp, IDC Independence Day Camp) एवं RDC (Republic Day) प्रमुख हैं। हर सत्र की तरह इस सत्र में भी महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स की विभिन्न कैम्पों में सक्रिय भूमिका रही।

प्रभारी – डॉ. वर्षा चौहान

- **राष्ट्रीय सेवा योजना**

शैक्षणेत्तर गतिविधियों के अंतर्गत समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से महाविद्यालय में एक पुरूष एवं एक महिला इकाई सक्रिय है। प्रत्येक इकाई में 100 स्वयं सेवकों का पंजीयन है। यह इकाईयां वर्षभर नियमित एवं विशेष गतिविधियां आयोजित करती हैं। वर्तमान सत्र में दिनांक 15.7.2022 अंतर्राष्ट्रीय ध्यानकर्ता श्री राम सिंगल जी ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ अपने कई अनुभवों को साझा किया। दिनांक 25.7.2022 शिवम जाट, मुस्कान हरसन, आयुषी पाल, मनीष सोनकर इत्यादि स्वयं सेवकों, राष्ट्रीय केडेट कोर के विद्यार्थियों, प्राचार्य, प्राध्यापकों ने परिसर में वृक्षारोपण किया। दिनांक 5.8.2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'हर घर तिरंगा' हेतु महाविद्यालय सभागार से विजय मार्केट होते हुए रैली निकाली गई। दिनांक 8.8.2022 सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा आदेशित पत्र अनुसार प्रदेश में नशीले पदार्थो के सेवन से मुक्ति हेतु महाविद्यालय में मद्य निषेध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य महोदय द्वारा विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार को नशा न करने की शपथ दिलाई एवं विद्यार्थियों से वचन पत्र भी भरवाये गये। दिनांक 14.9.2022 को 'महिला पर्यटक सुरक्षा' विषय पर परिचर्चा का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा किया गया। जिसमें डॉ. ललित गौड़ द्वारा व्याख्यान में बताया गया कि ग्रुप टूर में महिला पर्यटक ज्यादा सुरक्षित रहती है। सरकार को सामूहिक पर्यटन को प्रोत्साहित करना चाहिए।

दिनांक 20.9.2022 को स्मार्ट पार्क भोपाल में बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के मनीष सोनकर, केशव सूर्यवंशी, आयुष सक्सेना, शिवम जाट, नेत्रा सिन्हा और श्रेया दास ने माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ पौधरोपण किया। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय की पत्रिका 'सर्जना' भी भेंट की। दिनांक 24.9.2022 को NSS

day मनाया गया जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की बालिका इकाई द्वारा मुस्कान हरसन छत्तीसगढ़ लोक नृत्य, भारती समूह नृत्य, नुक्कड़ नाटक ग्रुप, एकल नृत्य लावणी इत्यादि की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन नाज एवं हर्षित ने किया। दिनांक 26.9.2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने आंगनबाड़ी केन्द्र, अन्नानगर, झुग्गी बस्ती भोपाल में जाकर स्वास्थ्य संबंधी जन–जागरूकता फैलाई। बस्ती में स्वास्थ्य साफ सफाई के प्रति जन जागरूकता कार्यक्रम किया गया। आंगनबाड़ी केन्द्र में जाकर शासन की विभिन्न योजनाओं से अवगत हुए एवं केन्द्र शासन की सुविधाओं का लाभ लेती हुई किशोरियों एवं महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। दिनांक 28.9.2022 को ऊर्जा साक्षरता अभियान आयोजित किया गया।

दिनांक 10.10.2022 बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल, भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना की बालक एवं बालिका इकाई द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक समिति की डॉ. अर्चना जैन एवं डॉ. आरती पटेल का एन.एस.एस. बेज लगाकर स्वागत किया गया। जिसमें मादक द्रव्य पदार्थों के निषेध विषय पर प्रथम स्थान प्राची विश्वकर्मा, द्वितीय स्थान नाज़ एवं स्वच्छता विषय पर प्रथम स्थान सलोनी गौर, द्वितीय स्थान कंचन ने प्राप्त किया। दिनांक 12.10.2022 महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सांस्कृतिक सद्भावना के अन्तर्गत मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने सहभागिता की। निर्णायक समिति की प्रभारी प्रोफेसर अनुराधा दुबे एवं प्रोफेसर अर्चना शर्मा ने प्रतियोगिता में नाज सैय्यद एवं शिवानी कुश्राम को प्रथम, वर्षा मालवीय एवं प्राची विश्वकर्मा को द्वितीय, पावनी सिंह को तृतीय स्थान, शहनाज परवीन को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया। दिनांक 14.10.2022 को महाविद्यालय में मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिये विद्यार्थियों को, अन्य लोगों को भी जागरूक किया।

छात्र श्यामला ओक एम.ए. अर्थशास्त्र का चयन आगाज संस्था में Gender Equality initiative training में हुआ यह ट्रेनिंग तीन दिवसीय थी जिसमें बरकतउल्ला एवं जबलपुर दोनों विश्वविद्यालय के चयनित 25 युवक एवं युवतियों का चयन किया गया। 18.10.2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विद्यार्थियों को ऑनलाईन वोटर हेल्प लाइन से जोड़ा गया एवं मतदान के लिए जन जागरूकता रैली निकाली गई। दिनांक 6.12.2022 को एम्स भोपाल के डॉक्टरों द्वारा एड्स जागरूकता पर विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार को व्याख्यान दिया गया एवं विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत किया गया। दिनांक 25.12.2022 के म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना एवं आईक्यूएसी के तत्त्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में आईटी कंसल्टेंट श्री हेमराजसिंह चौहान ने साइबर क्राइम से सुरक्षा की संवेदनशीलता को समझाते हुए कहा कि मोबाइल का उपयोग सिर्फ फोन करने के लिए करें। भीम ऐप के प्रयोग से पेमेंट करने पर हुई ठगी का पैसा वापस मिलने की संभावना अधिक होती है। डॉ. मनीष मिश्रा, डीन सेम ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने लैंगिक संवेदनशीलता पर विचार व्यक्त किये। वैश्वीकरण के विकास के साथ महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। उच्च शिक्षा के सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक डॉ. यू.सी. जैन जी ने प्रशासकीय कार्यो में बरती जाने वाली संवेदनशीलता के व्यवहार को उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

दिनांक 12.1.2023 को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिनांक 15.02.2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. आर.के. विजय, राज्य एन.एस.एस. अधिकारी मध्यप्रदेश शासन ने अपने व्याख्यान में बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ने से सेवा भाव, रचनात्मक कार्यों, पीड़ितों की सेवा करने की प्रेरणा मिलती है। श्री राहुल सिंह परिहार कार्यक्रम अधिकारी एन.एस.एस. ओपन यूनिट बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने भी संबोधित किया।

विशेष शिविर– बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन विद्यापीठ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन न्यू एसओएस बाल ग्राम, खजूरी कलां, ग्राम पिपरिया, भोपाल में दिनांक 19 मार्च 2023 से 25 मार्च 2023 तक किया गया। बालक एवं बालिका इकाई के इस संयुक्त विशेष शिविर में महाविद्यालय की एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रीति जौहरी एवं डॉ. गीता चौहान के नेतृत्व में दोनों इकाइयों के स्वयं सेवकों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की। उक्त शिविर **'स्वास्थ्य : जन स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य'** थीम पर आयोजित किया गया।

रा.से.यो. कार्यक्रम – डॉ. गीता चौहान

गांव की बेटी योजना

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की मेधावी छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए गाँव की बेटी योजना संचालित है। इस योजना में गाँव के स्कूल से 12वीं कक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को हर वर्ष 500 रूपये प्रतिमाह की दर से 10 माह तक 5000 रूपये सालाना की आर्थिक मदद दी जाती है। 2008 से प्रारंभ इस योजना में चयनित छात्रा को उच्च शिक्षा के अंतर्गत विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में भी लाभ पाने की पात्रता है।

इस योजना का लाभ उठाने के लिए छात्रा को निर्धारित प्रारूप में आवेदन के साथ ग्राम सरपंच का प्रमाण पत्र, शाला प्रमुख का प्रमाण पत्र, मुख्य कार्यपालन अधिकारी का प्रमाण पत्र और आवश्यक दस्तावेजों में से मूलनिवासी प्रमाण पत्र, स्वयं के नाम का बैंक अकाउंट जो आधार कार्ड से लिंक हो, और जाति प्रमाण पत्र पिछली कक्षा की अंकसूची की छायाप्रति संलग्न करना होते हैं, मध्यप्रदेश शासन की यह योजना अब पूर्णतः ऑनलाइन हो गई है।

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल की ग्रामीण प्रतिभावान छात्राएं इस योजना से निरंतर लाभान्वित होकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है। सत्र 2022–23 में 21 आवेदन प्राप्त हुए जो जांच प्रक्रिया के पश्चात् स्वीकृत हुए। आनलाइन भुगतान की प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है, समय–समय पर शासन के निर्देशों की जानकारी से छात्राओं को अवगत किया जाता रहा है। ताकि कोई भी पात्र चयनित छात्रा उक्त योजना के लाभ से वंचित न होने पाये।

प्रभारी–डॉ. अनुपमा यादव

पंजीबद्ध असंगठित कर्मकार समिति वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23

पंजीबद्ध अंसगठित कर्मकार योजना के अंतर्गत उन छात्र छात्राओं को प्रवेश शुल्क एवं परीक्षा शुल्क शासन द्वारा दिया जाता है जिनके माता या पिता का म.प्र. शासन के श्रम विभाग में असंगठित कर्मकार के रूप में पंजीयन हो एवं विद्यार्थी के पास उनका पंजीयन क्रमांक / कार्ड हो। यह योजना म.प्र. शासन द्वारा सत्र 2018–19 से प्रारंभ की गई थी। सत्र 2022–23 में इस योजना के अंतर्गत कुल 36 आवेदन प्राप्त हुए एवं सभी 36 आवेदनों को स्वीकृत किया गया।

प्रभारी – डॉ. इलारानी श्रीवास्तव

महाविद्यालयीन परिवार

क्र.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. संजय जैन	प्राचार्य
2.	डॉ. राजेश कुमार खजवानिया	प्राध्यापक वाणिज्य
3.	श्री ए.के. महागाये	सह प्राध्यापक वाणिज्य
4.	डॉ. राजकुमार शर्मा	प्राध्यापक वाणिज्य
5.	श्रीमती चित्रा खरे	सहा. प्राध्यापक वाणिज्य
6.	डॉ. गरिमा जाउलकर	प्राध्यापक राजनीति विज्ञान
7.	डॉ. श्रीमती अनुपमा यादव	प्राध्यापक राजनीति विज्ञान
8.	डॉ. सीमा श्रीवास्तव	प्राध्यापक अर्थशास्त्र
9.	डॉ. समता जैन	प्राध्यापक अर्थशास्त्र
10.	डॉ. सीमा माथुर	प्राध्यापक अर्थशास्त्र
11.	श्रीमती प्रतिभा डेहरिया	सहा. प्राध्यापक अर्थशास्त्र
12.	डॉ. अंशुबाला मिश्रा	प्राध्यापक हिन्दी
13.	डॉ. पुनीता जैन	प्राध्यापक हिन्दी
14.	डॉ. सुषमा जादौन	प्राध्यापक हिन्दी
15.	श्रीमती शालिनी तिवारी	सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी
16.	डॉ. इलारानी श्रीवास्तव	सह प्राध्यापक अंग्रेजी
17.	डॉ. अर्चना जैन	सह प्राध्यापक गणित
18.	डॉ. वर्षा चौहान	सहा. प्राध्यापक गणित
19.	डॉ. उमेश कुमार साकल्ले	प्राध्यापक भौतिक शास्त्र
20.	श्रीमती प्रीति जौहरी	सहा. प्राध्यापक भौतिक शास्त्र
21.	डॉ. अंजना अग्रवाल	प्राध्यापक रसायन शास्त्र
22.	डॉ. नीलम चोपड़ा	प्राध्यापक रसायन शास्त्र
23.	डॉ. अर्चना शर्मा	प्राध्यापक समाज शास्त्र
24.	डॉ. गीता चौहान	सहा. प्राध्यापक समाज शास्त्र
25.	डॉ. अनुराधा दुबे	प्राध्यापक वनस्पिति शास्त्र
26.	डॉ. शीला कुमार	सहा. प्राध्यापक वनस्पिति शास्त्र
27.	डॉ. चारूलता राठौड़	प्राध्यापक प्राणी शास्त्र
28.	डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव	प्राध्यापक प्राणी शास्त्र
29.	डॉ. मीता बादल	सहा. प्राध्यापक गृह विज्ञान
30.	डॉ. पी.एन.राज	ग्रंथपाल
31.	श्री सी.एस. धाकड़	क्रीड़ा अधिकारी
32.	डॉ. पुष्पा सूर्यवंशी	अतिथि विद्वान वाणिज्य
33.	डॉ. संदीप कुमार मिश्रा	अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
34.	डॉ. पूजा सिंह	अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
35.	श्रीमती पूनम बरबड़े	अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
36.	श्रीमती प्रियंका विश्वकर्मा	अतिथि विद्वान सीएनडी
37.	सुश्री मोनिका सिंह	अतिथि विद्वान वनस्पति
38.	सुश्री आरती पटेल	अतिथि विद्वान गणित

क्र.	नाम	पदनाम
1.	श्री राजाराम महावर	मुख्य लिपिक
2.	श्री एस.एन. प्रजापति	लेखपाल
3.	श्री मनोज सक्सेना	सहायक ग्रेड–3
4.	श्री सुनील कुमार	सहायक ग्रड–3
5.	श्रीमती रश्मि खरे	सहायक ग्रेड–3
6.	श्री एच.सी. मिश्रा	प्रयोगशाला तकनीशियन
7.	श्रीमती डॉली खटवानी	प्रयोगशाला तकनीशियन
8.	श्री रमाकांत तिवारी	प्रयोगशाला तकनीशियन (जनभागीदारी)
9.	श्रीमती रानी मारन	प्रयोगशाला परिचारक
10.	श्रीमती स्वाति भारद्वाज	प्रयोगशाला परिचारक
11.	श्री भूपेन्द्र मिश्रा	प्रयोगशाला परिचारक
12.	श्री राधेश्याम मीना	प्रयोगशाला परिचारक
13.	श्री प्रहलाद पराडकर	भृत्य
14.	श्री मुकेश कुमार अहिरवार	भृत्य

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित

अतिथि विद्वान वाणिज्य
अतिथि विद्वान समाज शास्त्र
अतिथि विद्वान बायोटेक्नोलॉजी
अतिथि विद्वान कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन
अतिथि विद्वान सीएनडी
अतिथि विद्वान वनस्पति
अतिथि विद्वान गणित